दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761, DAVP 133088/20/02/2020

वर्ष-3, अंक-39
इन्दौर, शुक्रवार
2 मई 2025
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

चाणक्य नीति

दूसरों की गलतियों से सीखों, अपने ही अनुभव से सीखने को तुम्हारी आयु कम पड़ जाएगी।

चाणक्य

अजमेर के होटल में आग, बच्चे सहित चार जिंदा जले

मां ने मासूम को खिड़की से फेंका, 5वीं मंजिल तक पहुंची आग, चार की हालत गंभीर

अजमेर (निप्र)।

अजमेर के होटल में लगी आग में 4 साल के बच्चे सहित 4 लोग जिंदा जल गए। इसमें एक महिला भी शामिल है। डेढ़ साल के बच्चे सहित 4 लोग झुलसे हैं। इनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। उधर, तेजी से फैलती आग की चपेट में एक अन्य बच्चा भी आ गया था। मां ने उसे उठाकर खिड़की से नीचे फेंक दिया। वह मामूली रूप से झुलसा है। डिग्गी बाजार स्थित नाज होटल में सुबह करीब 8 बजे आग लगी। देखते ही देखते आग होटल की 5वीं मंजिल तक पहुंच गई। होटल में बड़ी संख्या में जायरीन ठहरे हुए थे। इन लोगों ने खिड़कियों से कूदकर अपनी जान बचाई है।

रास्ता संकरा, बचाव कार्य में परेशानी

होटल तक पहुंचने का रास्ता संकरा है। इसलिए बचाव कार्य में काफी परेशानी आ रही है। रेस्क्यू के दौरान कई पुलिस कर्मियों और दमकलकर्मियों की भी तबीयत बिगड़ गई है। मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिमांशु जांगिड़ सहित पुलिस के अन्य अधिकारी मौजूद हैं। होटल पांच मंजिला है। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

चार की हालत गंभीर

जेएलएन मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर अनिल सामरिया ने बताया- झुलसे हुए आठ लोग लाए गए थे। इनमें से चार की मौत हो गई। 4 की हालत गंभीर है। मरने वालों में एक बच्चा भी शामिल है। 15 लोगों को रेस्क्यू कर बाहर लाया गया है। हॉस्पिटल में एडमिट चार में से एक व्यक्ति 100 प्रतिशत झुलस गया है। बाकी तीन 50 और 60 प्रतिशत तक झुलसे हैं।

धमाके के साथ लगी आग

प्रत्यक्षदर्शी मांगीलाल कलोसिया ने बताया-ब्लास्ट फटने की आवाज आई थी। मैं और मेरी पत्नी भागकर बाहर आ गए थे। इसके बाद टैक्सी ड्राइवर को बुलाया। फायर ब्रिगेड आधे घंटे बाद आई थी।

26/11 मुंबई हमला मामला

एनआईए को तहव्वुर राणा की वॉयस और हैंडराइटिंग सैंपल लेने की इजाजत मिली

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने हृद्ध को 26/11 मुंबई हमले का मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा की वॉयस और हैंडराइटिंग सैंपल लेने की इजाजत दे दी है। NIA स्पेशल कोर्ट के जज चंद्रजीत सिंह ने यह फैसला दिया। राणा को अमेरिका से प्रत्यर्पण के बाद 10 अप्रैल को स्पेशल प्लेन से भारत लाया गया था। NIA की एक टीम उसे लाने गई थी। प्रत्यर्पण टॉप-सीक्रेट मिशन ऑपरेशन राणा के तहत हुआ था। भारत लाने के बाद 10 अप्रैल को दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में उसे पेश किया गया था। उसके बाद उसे NIA की कस्टडी में भेज दिया गया था। 30 अप्रैल को कोर्ट ने कस्टडी 12 मई तक बढ़ाई थी। राणा को शिकागो में अक्टूबर 2009 में अमेरिकी एजेंसी FBI ने गिरफ्तार किया था। उस पर मुंबई के 26/11 और कोपेनहेगन में आतंकी हमले को अंजाम देने के लिए जरूरी सामान मुहैया कराने का आरोप था।

इजरायल के इतिहास की सबसे बड़ी आग, हाईवे बंद, शहरो पर धुएं का गुबार

यरुशलम। बुधवार को इजरायल की राजधानी यरुशलम के बाहरी इलाकों में भीषण आग लग गई है, जिससे इजरायल में राष्ट्रीय आपातकाल की स्थिति पैदा हो गई है। आग की वजह से हजारों नागरिकों को अपना घर खाली करना पड़ा है और देश की राजधानी पर धुएं का घना गुबार छा गया है। अधिकारियों ने इस आग को देश के इतिहास की सबसे बड़ी आग में से एक बताया है, जो बुधवार को लगी थी। यह आग तेज हवाओं की वजह से तेजी से फैल रही है। फिलहाल काबू पाने के आसार नजर नहीं आ रहे है। यरुशलम के बाहरी इलाकों में आग लगने की घटना को नेशनल इमरजेंसी बताते हुए इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने चेतावनी दी है कि तेज़ी से बढ़ रही लपटें यरुशलम तक भी पहुंच सकती हैं। उन्होंने और ज्यादा दमकल गाड़ियों और अग्निरोधक उपकरणों की ज़रूरत पर ज़ोर देते हुए कहा, फ़िलहाल प्राथमिकता यरुशलम की रक्षा करना है। आग बुझाने के लिए दमकलकर्मियों की मदद ली जा रही है और निकासी प्रयासों में सहायता के लिए सेना को तैनात किया गया।

भारत के एक और दुश्मन ने कहा- युद्ध हुआ तो पाकिस्तान का साथ देंगे

ओटावा। भारत का नमक खाकर, भारत की मिट्टी में पला बढ़ा गुरपतवंत सिंह पन्नू अपनी जन्म भूमि के साथ गद्दारी में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। पन्नू का कहना है कि अगर दोनों देशों के बीच युद्ध छिड़ता है, तो इंडियन पंजाब पाकिस्तान का साथ देगा। इससे पहले भी अलगाववादी ने पाकिस्तान के समर्थक की बात कही थी। साथ ही दावा किया था कि भारतीय सेना को हमला करने के लिए पंजाब पार नहीं करने दिया जाएगा। इससे पहले एसएफजे यानी सिख्स फॉर जस्टिस के प्रमुख पन्नू ने पाकिस्तान का साथ देने की बात कही है। उसने कहा, यह न 1965 और न 1971 है... आज है 2025 है। मैं पाकिस्तान की आवाम को भरोसा दिलाता हूं कि हम पाकिस्तान के साथ ईंट की तरह खड़े हैं। कोई भारतीय सेना की इतनी हिम्मत नहीं होने देंगे कि वो पंजाब पार कर पाकिस्तान पर हमला करे।

एनआईए करेगी राणा की आवाज-लिखावट के नमूने रिकॉर्ड

नई दिल्ली । दिल्ली की एक अदालत ने एनआईए को 26/11 मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा की आवाज और लिखावट के नमूने लेने की अनुमति दे दी है। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। विशेष एनआईए न्यायाधीश चंदर जीत सिंह ने यह आदेश 30 अप्रैल को एजेंसी द्वारा दायर एक याचिका पर पारित किया। इससे पहले 28 अप्रैल को अदालत ने तहव्वुर की हिरासत 12 दिनों के लिए बढ़ा दी थी। मुंबई पर 2008 में हुए आतंकी हमलों की साजिश रचने वाले तहव्वुर राणा को हाल ही में भारत ले आया गया था। फिलहाल वह एनआईए की हिरासत में है। भारत पिछले 17 वर्षों से राणा और उसके साथी डेविड कोलमैन हेडली के प्रत्यर्पण की कोशिश में लगा था, जो कि 2009 में ही अमेरिका में गिरफ्तार हुए थे। हेडली के मामले में भारत को फिलहाल खास सफलता नहीं मिली है, लेकिन तहव्वुर राणा के मामले में अमेरिका की निचली अदालतों से लेकर सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के दावों को मानते हुए उसके प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी थी।

विदेश भागे लॉरेंस के

गैंगस्टरों ने बदले ठिकाने

रोहित गोदारा अब पुर्तगाल से चला रहा गैंग, 50 बदमाश राजस्थान पुलिस के रडार पर

जयपुर (एजेंसी)। विदेश में बैठे गैंगस्टर पर राजस्थान पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (AGTF) टीम का शिकंजा कसता जा रहा है। इस डर से राजू ठेहट, सुखदेव गोगामेड़ी जैसे हत्याकांड को अंजाम देने वाले लॉरेंस गैंग के गैंगस्टर ठिकाने बदल रहे हैं। टीम ने 4 अप्रैल को दुबई से लॉरेंस गैंग के आदित्य जैन उर्फ टोनी को गिरफ्तार किया है। इससे पहले एजीटीएफ जुलाई 2024 में लॉरेंस गैंग के अमरजीत विश्नोई को इटली में हाउस अरेस्ट करा चुकी है। इस मामले का अब इटली के कोर्ट में ट्रायल चल रहा है। पुलिस के पास 50 से अधिक वांटेड बदमाशों के बारे में जानकारी है, जो वारदात के बाद विदेश में छिपे बैठे हैं। पुलिस अब तक 24 बदमाशों के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करवा चुकी है। एजीटीएफ की टीम आखिर विदेशों में छुपे बैठे गैंगस्टर को वापस लाने के लिए कैसे काम कर रही है। इस टीम की लिस्ट में प्रदेश के कौन से गैंगस्टर्स शामिल हैं।

पाकिस्तान के पास परमाणु बम है : मरियम

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच नवाज शरीफ की बेटी और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सीएम मरियम नवाज ने भड़काऊ बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कोई भी हमारे देश पर हमला करने की हिम्मत नहीं कर सकता क्योंकि उनके पास परमाणु बम है। मरियम नवाज़ ने कहा कि पाकिस्तान एक परमाणु शक्ति संपन्न देश है, इसलिए कोई उस पर आसानी से हमला नहीं कर सकता है। मरियम ने एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज भारत-पाकिस्तान सीमा पर तनाव का माहौल है, लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है। पाकिस्तानी सेना को देश की रक्षा के लिए ताकत दी है। उन्होंने कहा कि हम एक परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं।

राममंदिर कीदीवार पर मढ़ा जा रहा सोना

अयोध्या। राम मंदिर के दरवाजों पर फिर सोना लगाए जाने की शुरुआत हो गई है। अब फर्स्ट फ्लोर के 6 दरवाजों पर 18किलो सोना लगाया जा रहा है। हर दरवाजे पर 3 किलो सोना लगाया जाएगा। मुख्य कलश और राम दरबार के सिंहासन पर भी सोना लगाया जाएगा। इस पर 3 से 4 किग्रा सोना मढ़ा जाएगा। करीब एक साल पहले राम मंदिर के ग्राउंड फ्लोर के 14 दरवाजों पर सोना लगाया गया था। हर दरवाजे पर करीब 3 किलो सोना लगा। जून में श्रीराम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा होनी है, ट्रस्ट 3 दिन तक उत्सव मनाने की तैयारी कर रहा है।

भारत के छोटू मिसाइल से कांपेंगे दुश्मन, एटी-4 की ताकत देख चुकी रूसी सेना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत कभी भी पाकिस्तान पर पलटवार कर सकता है। खुद पाकिस्तान के सूचना मंत्री तरार इसे लेकर घिघिया रहे हैं। पाकिस्तान से तनाव के बीच भारत ने अपनी ताकत बढ़ा ली है। स्वीडिश कंपनी साब ने भारतीय सेना को एटी-4 एंटी-आर्मर हथियार प्रणाली की पहली खेप सौंप दी है। यह हल्का, पोर्टेबल, और घातक हथियार है। यह यूक्रेन युद्ध में रूसी टैंकों का काल साबित हुआ है। यह भारत की आतंकवाद विरोधी रणनीति में अहम भूमिका निभाएगा। साब के बिजनेस एरिया डायनामिक्स के प्रमुख गोरगेन जोहानसन ने कहा, हमें गर्व है कि भारतीय सशस्त्र बल ने अपनी सिंगल-शॉट हथियार की जरूरत के लिए भी साब को चुना है। भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना को इस बात का भरोसा हो सकता है कि उनके पास उन्हें बढ़त दिलाने के लिए आवश्यक मारक क्षमता है। इतना ही नहीं, एटी-4 के अलावा भारत ने रूस से एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम की तीन स्क्वाड्रन तैनात की हैं और अग्नि-5 मिसाइल के एमआईआरवी वैरिएंट का परीक्षण किया है। रूस ने भारत को आर-37एम हाइपरसोनिक मिसाइल की पेशकश भी की है। ये कदम भारत की पारंपरिक और आधुनिक युद्ध क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में हैं। इस मिसाइल का इस्तेमाल भारत आतंकियों के खिलाफ अभियान में जरूर करेगा। इससे भारत की ताकत में और इजाफा होगा।

भारतीय विमान का रास्ता बदलते ही पाकिस्तानी एयर स्पेस पूरी तरह खाली

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारतीय सेना ने पाकिस्तान में 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक और फिर 2019 में बालाकोट एयर स्ट्राइक की थी। इसके बावजूद पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है उसने एक बार फिर जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर गोलियां चलवाकर अपना असली चेहरा दिखा दिया है। वहीं, बिहार की धरती से पीएम नरेंद्र मोदी की ललकार ने पाकिस्तान को हिल दिया। उसे लगा कि भारतीय वायुसेना उसके उस पर वार करेगी। इसी खौफ से पाकिस्तान ने बिना सोचे समझे भारतीय एयरक्राफ्ट के लिए अपना एयर स्पेस बंद कर दिया। पूरी तरह से कंगाल हो चुके पाकिस्तान को यह नहीं पता था कि जिसे वह मास्टर स्ट्रोक समझ रहा है, वह दांव उसकी बर्बादी का कारण बन जाएगा। 24 अप्रैल से पहले तक पाकिस्तानी एयर स्पेस से रोजाना 100 से 150 इंडियन एयरक्राफ्ट गुजरते थे। इसके एवज में पाकिस्तान को हर एयरक्राफ्ट के मेक के आधार पर 600 से 800 यूएस डॉलर मिलते थे। इस तरह इंडियन फ्लाइट्स की मदद से हर दिन पाकिस्तान को 87500 यूएस डॉलर की कमाई होती थी। पाकिस्तानी करेंसी में बदलें तो यह रकम करीब 2.45 करोड़ पाकिस्तानी रुपए होते हैं। वहीं 24 अप्रैल से आज तक पाकिस्तान को करीब 17.20 करोड़ रुपयों का नुकसान हो चुका है। बता दें कि भारतीय विमान का रास्ता बदलते ही पाकिस्तानी एयर स्पेस पूरी तरह से खाली हो गया है। वहीं, पाकिस्तानी प्रतिबंध की परवाह न करते हुए भारतीय एयरलाइंस ने अपने दो रास्ते खोल लिए हैं। रास्ता बदलने एयरलाइंस के खर्चों में मामूली बढ़ोत्तरी हुई है। यह बढ़ोत्तरी को वहन करने में भारतीय एयरलाइंस और पैसेंजर पूरी तरह सक्षम हैं, लेकिन पाकिस्तान का गुजारा कुछ चुनिंदा देशों से मिलने वाली करंसी से चलता है, ऐसे में रोज होने वाले करोड़ों के नुकसान को पाकिस्तान कैसे वहन करेगा, यह तो अब उसकी समझ में ही गया होगा।

संपादकीय

जो काम अंग्रेज नहीं कर पाए थे वह पिछले 10 सालों में हो गया

वरिष्ठ पत्रकार राहुल देव की पीड़ा सोशल मीडिया में देखने को मिली। वर्तमान परिपेक्ष में जो हालात हैं। उसकी गहरी चिंता को उजागर करती है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम की बेरसन घाटी में हुए आतंकी हमले के बाद जिस प्रकार भारत में कुछ संगठनों ने नफरत और विभाजन का नैरेटिव खड़ा करना शुरू कर दिया है, उससे गृह युद्ध जैसी स्थितियां पैदा होने के अंदेशा होने लग गया है। जो सामाजिक असंवेदनशीलता का परिचायक है। जिस तरह की घटनाएं हो रही हैं, उसको देखते हुए देश के सामूहिक सोच और विवेक पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगा है। उन्होंने पीड़ा व्यक्त करते हुए कड़े शब्दों में कहा, उनके बहुत से पूर्व मित्र अब धार्मिक भेदभाव को लेकर 'भेड़िए' बन गए हैं। कैसे प्रति हिंसा की आग में अपने ही अपनों को नोचने लगे हैं। इस सोच ने घर-घर में लोगों को एक दूसरे के खिलाफ खड़ा कर दिया है। उनका यह आक्रोश व्यक्तिगत नहीं, बल्कि व्यापक स्तर पर राष्ट्रीय चिंतन की अभिव्यक्ति है। पहलगाम में आतंकी हमले की घटना के बाद जिस तरह की स्थितियां भारत मे निर्मित हो रही हैं, उसको लेकर भारत जैसे विशाल और विविधता भरे देश के लिए, इस कठिन समय पर सामूहिक संयम और विवेक की सबसे अधिक जरूरत है। आतंकवादी हमलों का उद्देश्य केवल जान-माल की क्षति नहीं होता। आतंक का उद्देश्य केवल सत्ता तक पहुंचना भी नहीं होता है। आतंकवाद सामाजिक ताने-बाने को तोड़ने का भी काम करता है। पाकिस्तान सीधे-सीधे कभी भारत से मुकाबला नहीं कर सकता है। इसे खुद पाकिस्तान बेहतर जानता है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान प्रयोजित आतंकवाद ने जिस तरह से धर्म पूछ कर निर्दोष लोगों की हत्या की है, वह निंदनीय है और सख्त से सख्त सजा की हकदार है। भारत में जिस तरह से पिछले कई वर्षों में मुस्लिम समुदाय को लेकर कुछ अतिवादी हिंदू संगठनों द्वारा सार्वजनिक रूप से प्रदर्शन किया गया है, वह पाकिस्तान जैसे देश के लिए एक हथियार बन गया है। भारत में यदि हिंदू-मुस्लिम के नाम से झगड़े होते हैं।

भारत के लिये स्थाई सिरदर्द बन चुका आतंक पोषक पाकिस्तान

तनवीर जाफ़री

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में गत 22 अप्रैल को हुए बर्बरतापूर्ण व अमानवीय आतंकी हमले को देश जल्दी भुला नहीं पायेगा। इसमें 27 बेगुनाहों की जान चली गई जिनमें अधिकांश देश के विभिन्न राज्यों से आये हुये पर्यटक शामिल थे। इस अमानवीय घटना की जितनी भी निंदा की जाये वह कम है। इस घटना के बाद राजनीति,भारतीय मीडिया,सोशल मीडिया, पक्ष और विपक्ष से जुड़े कई ऐसे पहलू थे जिनपर चर्चा होनी स्वभाविक थी और वह हुई भी। जैसे इस त्रासदी को मुख्य धारा के कहे जाने वाले टी वी चैनल्स ने एक बार फिर एजेंडा रिपोर्टिंग की तर्ज़ पर पेश कर देश में विभाजनकारी माहौल बनाने की पूरी कोशिश की। और इस आतंकी हमले को हिंदू बनाम मुस्लिम के रूप में पेश करने का भरसक प्रयास किया। इन टी वी चैनल्स को हमले के बाद कश्मीर सहित पूरे देश में इस हमले के विरुद्ध उपजी सहानुभूति,एकजुटता, पर्यटकों को बचाने,उन्हें पनाह देने व आतंकियों का बहादुरी से मुक़ाबला करते हुये स्थानीय कश्मीरी की जान देने व पर्यटकों के प्रति मानवता से पेश आने के दृश्य नज़र नहीं नज़र आये। न ही सुरक्षा एजेंसियों की लापरवाही न ही आपदा में अवसर ढूंढने वाली विमानन कंपनियों द्वारा आतंकी हमले की दहशत के परिणामस्वरूप पर्यटकों की वापसी की भारी भीड़ को देखते हुये उनसे आठ से दस गुना तक अधिक किराया वसूल किया जाना दिखाई दिया। बहरहाल 22 अप्रैल से लेकर अब तक इस विषय को लेकर दोनों देशों की ओर से कई क़दम उठाये जा चुके हैं। भारत ने पाकिस्तान के विरुद्ध जो अहम फ़ैसले लिए हैं उनमें मुख्य रूप से भारत-पाकिस्तान के बीच हुये सिंधु जल समझौते को स्थगित करना,अटारी बॉर्डर को बंद करना,भारत आए पाकिस्तानी नागरिकों को इसी मार्ग से लौटने के लिए 1 मई तक की समय सीमा निर्धारित करना,पाकिस्तानी नागरिकों को भारत का वीज़ा न देना,भारत में मौजूद पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने के लिए 48 घंटे का समय देना, सभी पाकिस्तानी नागरिकों के वीज़ा रद्द करना, नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी हाईकमीशन में तैनात पाकिस्तानी डिफ़ेन्स एडवाइज़र्स को भारत छोड़ने के लिए एक हफ़्ते का समय देना, तथा दोनों हाई कमीशन में तैनात कर्मचारियों की संख्या 55 से घटाकर 30 तक किया जाना शामिल है। इसके जवाब में पाकिस्तान ने भी भारत के विरुद्ध कई फ़ैसले लिये हैं जिनमें भारत के साथ हुआ शिमला समझौता स्थगित करना,वाघा बॉर्डर से व्यापार पूरी तरह बंद करना,30 अप्रैल तक जिन लोगों ने वैध काग़ज़ों के साथ इस रास्ते से पाकिस्तान प्रवेश किया है, उन्हें वापस लौटने का निर्देश देना,सार्क वीज़ा छूट योजना के तहत भारतीय नागरिकों को दी गई वीज़ा छूट खत्म करना (सिख तीर्थयात्रियों को छोड़कर), भारतीय हाई कमीशन में काम कर रहे सैन्य सलाहकारों - डिफ़ेंस, नेवी और एयर अटैची को अवांछित व्यक्ति(श्वद्गह्म्श्ठ्ठ ठ्ठश्ठ्ठ द्दह्ल्ठ्ठह्ल्ठ्ठ) घोषित करना और उन्हें व उनके सहायक स्टाफ़ को 30 अप्रैल तक पाकिस्तान छोड़ने का निर्देश देना,इस्लामाबाद में भारतीय हाई कमीशन के कर्मचारियों की संख्या घटाकर 30 करना,पाकिस्तानी एयरस्पेस को अब भारतीय स्वामित्व या संचालन वाली सभी एयरलाइंस के लिए बंद करना तथा हर प्रकार का व्यापार

चाहे वह सीधे भारत से हो या किसी तीसरे देश के ज़रिए, तत्काल प्रभाव से बंद कर देना जैसी घोषणायें शामिल हैं। उधर दोनों देशों द्वारा एक दूसरे के विरुद्ध उठाये जा रहे इन क़दमों के बीच पाकिस्तान की ओर से की गयी एक ऐसी स्वीकारोक्ति ने भारत द्वारा पाकिस्तान के विरुद्ध लगभग चार दशकों से लगाये जा रहे इन आरोपों को सच साबित कर दिया है कि पाकिस्तान आतंकवाद की नर्सरी भी है और पनाहगाह भी। ग़ौरतलब है कि स्काई न्यूज़ के संवाददाता ने पहलगाम में आतंकी हमले के सन्दर्भ में जब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख़ूवाजा आसिफ़ से पूछा कि- क्या आप मानते हैं कि पाकिस्तान का इन आतंकी संगठनों को समर्थन देने, प्रशिक्षण देने और धन मुहैया कराने का लंबा इतिहास रहा है तो ख़ूवाजा आसिफ़ ने स्वीकार किया कि पाकिस्तान आतंकी समूहों को धन मुहैया कराने के साथ-साथ उन्हें हर तरह से समर्थन करता रहा है। ख़ूवाजा आसिफ़ ने एक बातचीत के दौरान कहा कि - हम अमेरिका और ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों के लिए क़रीब तीन दशकों से यह गंदा काम कर रहे हैं। इसे दूसरे शब्दों में कहा जाये तो पाकिस्तान अमेरिका व ब्रिटेन जैसे पश्चिमी देशों की कठपुतली बनकर आतंकवाद की पनाहगाह व आतंकवादियों का मुख्य उत्पादक देश बना हुआ है। रक्षा मंत्री ख़ूवाजा आसिफ़ ने यह भी कहा कि -यदि हम सोवियत संघ के विरुद्ध युद्ध में और बाद में 9/11 के बाद के युद्ध में शामिल नहीं होते, तो पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड बेदाग़ होता। परन्तु सच पूछिये तो धर्म के आधार पर भारत से विभाजित होकर 1947 में ही अलग अस्तित्व में आने वाले पाकिस्तान में शुरू से ही अ ध म ॅ , ज़ ा ो र ज़बरदस्ती,कट्टरपंथ,हिंसा व आतंकवाद का बोल बाला रहा है। और समय के साथ से यह और भी बढ़ता ही गया है। पाकिस्तानी नेताओं व शासकों द्वारा पोषित व प्रायोजित आतंकवाद का पहला निशाना तो पूर्वी पाकिस्तान (तत्कालीन) के लोग ही बने। बड़े पैमाने पर हत्यायें बलात्कार क्या नहीं किया गया बंगाली मुसलमानों के साथ तब कहाँ चला गया था इनका इस्लामी राष्ट्र क्यों 24 वर्षों में ही पाकिस्तान से अलग होकर बांग्लादेश वजूद में आया उसके बाद पाकिस्तान के अल्पसंख्यकों विशेषकर हिन्दुओं,सिखों,शिया व अहमदिया मुसलमानों पर अत्याचार करने व उनकी हत्याओं का सिलसिला भी कोई केवल तीन दशक की कहानी नहीं है बल्कि यह सब घिनौनी हरकतें पाकिस्तान के वजूद में आते ही शुरू हो गयी थीं। स्वयं राष्ट्रपति ज़ियाउलहक़ के दौर में पाकिस्तान में कट्टरपंथ व आतंकवाद खूब फला फूला। इसी पाकिस्तान में धर्म के नाम पर आत्मघातियों की भर्ती की गयी जिन्होंने मस्जिदों,दरगाहों,इमाम बारगाहों व अनेक धार्मिक जुलूसों में अब तक हज़ारों लोग मारे। उसके बाद इसी पाकिस्तान ने तालिबानों को शुरूआती दौर में पूरा संरक्षण दिया। उनके कार्यालय तक खोले गये और ओसामा बिन लादेन व मुल्ला उमर के समय में तालिबानी प्रवक्ता पाकिस्तान में बैठकर पत्रकार वार्ता करता तथा तालिबानी नीतियों को सार्वजनिक करता था। अफ़ग़ानिस्तान की कट्टरपंथी तालिबानी सरकार को मान्यता देने वाला पहला देश पाकिस्तान ही था। पाकिस्तान में पोषित तालिबानी ही आगे चलकर कट्टरपंथी व आतंकी गिरोह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के नाम से जाने गये। और यही बाद में पाकिस्तान-अफ़गानिस्तान सीमा के क़रीब संघीय प्रशासित क़बायली क्षेत्र के चरमपन्थी उग्रवादी गुटों के संगठन के रूप में स्थापित हुये। इसका मक़सद पाकिस्तान में शरिया पर आधारित एक कट्टरपन्थी इस्लामी अमीरात को क़ायम करना था। इस संगठन ने भी कश्मीर में आतंकवाद फैलाने के प्रयास किये थे। तहरीक-ए-तालिबान ही वह संगठन था जिसके छः आतंकियों ने 16 दिसम्बर 2014 को पेशावर के सैनिक स्कूल पर हमला करके पाक फ़ौजियों के ही 126 बच्चों की हत्या कर दी थी।इन सब वास्तविकताओं के बावजूद जब जब पाकिस्तान पर आतंकवाद फैलाने या उसे संरक्षण देने का आरोप भारत द्वारा लगाया जाता तो पाकिस्तान यह कहकर अपना पल्ला झाड़ने की कोशिश करता कि वह तो स्वयं आतंकवाद का दंश झेल रहा है और इसका भुक्तभोगी है । परन्तु पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख़ूवाजा आसिफ़ की ताज़ातरीन स्वीकारोक्ति से यह साबित हो चुका है कि पाकिस्तान आतंक फैलाने का केवल आरोपी ही नहीं बल्कि दोषी भी है। मसूद अज़हर,कंधार विमान अपहरण, हाफ़िज़ सईद,क़साब, पहलगाम का ताज़ातरीन अमानवीय हमला ऐसे दर्जनों सुबूत हैं जिसके आधार पर यह कहा जा सकता है कि पाकिस्तान द्वारा पोषित व संरक्षित आतंकवाद भारत के लिये स्थाई सिरदर्द बन चुका है लिहाज़ा इसका स्थाई समाधान होना भी ज़रूरी है।

'पृथ्वी बचाओ' नामक समाज सेवा

मैं पेड़ काटने वाली मशीन लेकर जंगल गया और वर्षों पुराने कुछ पेड़, मिनटों में काटकर ले आया। फिर उन्हेंड आरा मशीन से करीने से कटवाकर, घर लाया। उनसे फर्नीचर बनवाते हुए, अखबारों में 'पृथ्वी बचाओ' दिवस के बारे में पढ़ा। मैंने तत्काल सोशल मीडिया में 'पृथ्वी बचाने' के चिंता भरे संदेश पोस्ट कर डाले और लाईक, कमेंट और शेयर के इंतजार में बैठ गया । शेर, तेंदुए, भेड़िए, लकड़बग्घे, बारासिंघे, मगरमच्छे... की खाल, नाखून, दांत, हड्डियों...की डिमांड काफी है। जंगल कटकर उजड़ रहे हैं इसलिए ये जानवर, शहरों की गलियों में भी मिलने लगे हैं। आज कुछ लोगों से संपर्क किया तो मामला काफी सस्तो में सेट हो गया। माल की सप्लाई सुनिश्चित करने के बाद, मैं 'पृथ्वी बचाओ' प्रदर्शनी का उद्घाटन करने चला गया। घर में बहुत कचरा निकला... प्लास्टिक के सामान। पॉलीथिन के झोले। ऑनलाइन शॉपिंग के बैग्स। मच्छर भगाने वाले लिक्विड-स्प्रे। डिओड्रेंट, शैम्पू, क्रीम, पाउडर,...की खाली डिब्बियां। बेकार की दवाओं का अंबार। टूटे काँच, बेकार ब्लेसड्स। सूखा कचरा-गीला कचरा। शराब की खाली बोतलें। और नामालूम क्या-क्या कहां फेंकूं तो पास ही बहने वाली नदी का ध्यासन आया। उसमें पानी अच्छा था सो सारा कुछ उसी में विसर्जित कर दिया। बहती नदी रुक गई। प्यास बुझाने वाली नदी को प्यासी बनाने के बाद, मैं 'पृथ्वी बचाओ' संगोष्ठी में मुख्य अतिथि बनने निकल पड़ा। ऑक्सीजन सिलेंडर, ब्लबड, दवाइयां, डॉक्टरर, इंसानियत...आदि का बंपर स्टाक मैंने अपने गोदाम में जमा कर रखा था। अस्पकतालों में हाहाकार मच गया। लोगों की जिन्देगी मुश्किल में पड़ती देख, मैंने उनकी मदद के लिए अपने हिसाब की किताब खोली। उसमें 'फायदा और सिर्फ फायदा' नाम के अध्याय का गहन अध्य यन करने के उपरांत मैंने धीरे-धीरे माल निकालना शुरू किया। इन सामानों में केवल इंसानियत नाम का आइटम भर सड़ गया था, बाकी सारी चीजें लगभग ठीक-ठाक थीं। तमाम फायदों को समेटने के बाद मैं मरीजों में फल बाँटने निकल पड़ा। क्यों कि मैंने पृथ्वी के बीमार लोगों को बचाने का संकल्प लिया था, इसलिए यह समाज सेवा मुझे ही तो करनी थी सच मानिए 'पृथ्वी बचाओ' नाम की समाज सेवा करने में मुझे बहुत त्याग, तपस्या और श्रम करना होता है

व्यापार....व्यवसाय....व्यापार....व्यवसाय....व्यापार....व्यवसाय....व्यापार....व्यवसाय....व्यापार....

आईफोन 17 की लांचिंग पर मंडरा रहे संकट के बादल

चीन से आयात में देरी बनी बड़ी चुनौती

नई दिल्ली । चीन से आईफोन बनाने के लिए आवश्यक मशीनरी के आयात की अनुमति में लगातार हो रही देरी ने चिंता बढ़ा दी है। अगर यह देरी जारी रहती है, तो न केवल अपकमिंग आईफोन 17 के लॉन्च पर असर पड़ सकता है, बल्कि भारत में आईफोन मैन्युफैक्चरिंग को दोगुना करने की एप्पल की संभावित योजना भी प्रभावित हो सकती है। कंपनी का लक्ष्य था कि भारत से उत्पादन बढ़ाकर अमेरिका में आईफोन की मांग को पूरा किया जाए, ताकि चीन पर लगाए गए भारी आयात शुल्क से बचा जा सके। चीन से आयात को लेकर मंजूरी में देरी केवल इलेक्ट्रॉनिक्स तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सुरंग निर्माण में इस्तेमाल होने वाली ड्रिलिंग मशीनों और सोलर एनर्जी से जुड़ी मशीनों सहित अन्य क्षेत्रों में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है। यह ऐसे समय में हो रहा है जब सरकार देशभर में सुरंगों के निर्माण पर आक्रामक रूप से काम कर रही है।

एक बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी के टॉप सूत्र ने बताया कि आम तौर पर एप्पल इंक हर साल एक नया मोबाइल फोन लॉन्च करता है, जबकि बाकी कंपनियां कम से कम दो मॉडल लॉन्च करती हैं। भारत में नए मॉडल असेंबल करने के लिए बड़ी मात्रा में नई आयातित मशीनों को रेट्रोफिट करना पड़ता है। लेकिन इस प्रक्रिया में अब लगातार देरी हो रही है, जो नए मॉडल के लॉन्च को प्रभावित कर सकती है। यह भी आशंका है कि मोबाइल असेंबली के लिए चीन से सेकंडहैंड मशीनरी के आयात जो कि वहां से भारत में उत्पादन क्षमता शिफ्ट करने का हिस्सा है.

पेट्रोल-डीजल 1 मई से हो सकता है 1.30 रुपए महंगा!

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है, जिससे घरेलू बाजार भी प्रभावित हो रहा है। इसी की वजह से पेट्रोल-डीजल के दाम में बदलाव देखने को मिल रहा है। हालांकि बीते दिनों कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है, जिसके बाद ये माना जा रहा है कि 1 मई से पेट्रोल-डीजल के भाव बढ़ सकते हैं। इस संबंध में अधिकारिक तौर पर बुधवार को अधिसूचना जारी की जा सकती है। जानकारी के अनुसार पेट्रोल-डीजल के दाम में 30 अप्रैल रात 12 बजे के बाद से 1.30 रुपए बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं केरोसिन की कीमत भी 1.35 रुपए बढ़ सकते हैं। बता दें कि हाल ही में यहां की सरकार ने पेट्रोल पर लेवी 8.02 रुपये बढ़ाकर 78.02 रुपए प्रति लीटर और हाई स्पीड डीजल पर लेवी 7.01 रुपए बढ़ा दी थी। हालांकि इसका असर आम जनता पर नहीं पड़ा। फिलहाल ब्रेंट क्रूड की कीमत 65.52 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमत 61.87 डॉलर प्रति बैरल पर बनी हुई है। ऐसा मुख्य रूप से बाजार में अधिक आपूर्ति की उम्मीदों और अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ वार्ता को लेकर अनिश्चितता के दबाव में हुआ है।

रुपया 27 पैसे मजबूत होकर 84.96 प्रति डॉलर पर

मुंबई । अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 85.06 पर खुला। फिर बढ़त के साथ 84.96 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 27 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया सोमवार को 18 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.23 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.18 पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारत के विनिर्माण व औद्योगिक उत्पादन दोनों में तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो घरेलू मांग की स्थिति को दर्शाता है। इसके अलावा विदेशी पूंजी प्रवाह में उछाल से घरेलू बाजारों में मजबूत तेजी ने भावनाओं को और बढ़ावा दिया।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने दिया सहारा......मंगलवार को हरे निशान पर बंद

मुंबई । वैश्विक बाजारों से मिलेजुले रुख के बीच घरेलू शेयर बाजार सोमवार की बढ़त को कायम रखते हुए मंगलवार को हरे निशान पर बंद हुए । रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में लगातार दूसरे दिन तेजी ने बाजार को बढ़त बनने में अहम भूमिका निभाई ।

तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 100 से ज्यादा अंक चढ़कर 80,396.92 पर खुला। कारोबार के दौरान यह 80,661.31 अंक तक चढ़ गया था। अंत में सेंसेक्स 70.01 अंक की बढ़त लेकर 80,288.38 पर बंद हुआ। इसतर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 भी पॉजिटिव शुरुआत लेकर 24,370.70 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 24,457.65 अंक के शीर्ष तक गया। अंत में यह 7.45 अंक की मामूली बढ़त लेकर 24,335.95 पर बंद हुआ।

इंडेक्स हैवीवेट रिलायंस इंडस्ट्रीज लगातार दूसरे ट्रेडिंग सेशन में सबसे ज्यादा लाभ में रही और कंपनी ने बीएसई बेंचमार्क को हरे निशान में बंद होने में काफी हद तक मदद की। रिलायंस का शेयर मंगलवार को 2.3 प्रतिशत बढ़कर 1,399 पर बंद हुआ और बीएसई बेंचमार्क में 180 अंकों का योगदान दिया। इसके अलावा टेक महिंद्रा, इटरनल (पूर्व में ज़ोमैटो), एचसीएल टेक्नोलॉजीज, बजाज फिनसर्व, इंफोसिस और टीसीएस लाभ में रहने वाले अन्य प्रमुख शेयरों रहे। इनमें 1 से 2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं अल्ट्राटेक सीमेंट और सन फार्मा में 2 प्रतिशत की गिरावट आई। पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन, कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी, एसबीआई और नेस्ले इंडिया भी प्रमुख रूप से गिरावट में बंद हुए।

वैश्विक बाजारों से क्या संकेत

अमेरिकी शेयर बाजार ने उतार-चढ़ाव भरे सेशन को हरे निशान पर बंद किया। एसएंडपी 500 में 0.06 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 5,528.75 पर बंद हुआ। नैस्डैक कंपोजिट में 0.1 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 17,366.13 पर बंद हुआ। डॉव जोन्स 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 40,227.59 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 से जुड़े फ्यूचर्स 0.08 प्रतिशत चढ़े। जबकि नैस्डैक 100 वायदा 0.11 प्रतिशत और डॉव जोन्स फ्यूचर्स 0.05 प्रतिशत चढ़ा।

विश्व ब्राह्मण समाज संघ की मेजबानी में हुआ सर्व समाज के 11 जोड़ों का सामूहिक विवाह

इंदौर, । विश्व ब्राह्मण समाज संघ की मेजबानी में गुरुवार को सुबह छोटा बांगड़दा, एयरपोर्ट रोड स्थित बाबाश्री रिसोर्ट 11 युगलों के परिणय बंधन का साक्षी तो बना ही, इन युगलों ने आठवां फेरा वर्षाकाल में अपने आसपास पांच पौधे रोपने के लिए भी लिया। शंख ध्वनि और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच जैसे ही 11 विद्वानों ने इन युगलों के विवाह कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

समूचा परिसर नवयुगलों और उनके मेहमानों की उत्साहपूर्ण खुशियों से झूम उठा। प्रथम चरण में 11 युगलों के विवाह तो संपन्न हो ही गए, पांच उन युगलों को भी गृहस्थी की सामग्री भेंट की गई, जिनकी निकट भविष्य में शादी होने वाली है।

पांच अन्य जोड़ों को भी भविष्य में गृहस्थी चलाने योग्य सामग्री भेंट की जाएगी। इस तरह कुल 21 युगलों युगलों के लिए आज का दिन खुशियों की बारात लेकर आया।

आयोजन समिति अध्यक्ष एवं विश्व ब्राह्मण समाज संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. योगेन्द्र महंत ने बताया कि म.प्र. ज्योतिष एवं विद्वत परिषद के अध्यक्ष आचार्य पं. रामचंद्र शर्मा वैदिक, खजराना गणेश मंदिर के पुजारी पं. अशोक भट्ट, रणजीत हनुमान मंदिर के पुजारी पं. दीपेश व्यास, वीर अलीजा हनुमान मंदिर के गादीपति स्वामी पवनानंद, हंसदास मठ के महामंडलेश्वर महंत पवनदास महाराज, महांडलेश्वर राधे राधे बाबा के सान्निध्य में यह आयोजन हुआ।

अनेक विशिष्टजनों ने मेहमानों के साथ कन्यादान की रस्म में भागीदारी निभाई और नाचते-गाते हुए अपनी खुशियां व्यक्त की। विदाई की बेला में नवयुगलों की आंखों में खुशियों के आंसू इसलिए भी छलक पड़े कि उन्हें गृहस्थी चलाने लायक ढेरों उपहार, अलमारी, पलंग, गद्दे, कूलर, मंगल सूत्र, बर्तन सेट एवं सौंदर्य सामग्री तथा साड़ियों सहित ढेरों आशीर्वाद भी मिले।

स्वागताध्यक्ष जगदीश गोयल बाबाश्री, प्रमुख संयोजक राजेश बंसल, संयोजक द्वय राजेश गर्ग, शिव जिंदल एवं अनंत महंत ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि समाजसेवी और शिक्षाविद स्वप्निल कोठारी थे।

अध्यक्षता सांसद शंकर लालवानी ने की। इस अवसर पर अतिथि के रूप में समाजसेवी विजय-कृष्णा गोयल, संस्था केसरी के अध्यक्ष राहुल जैन, सूठीबाई दौलतराम छावछरिया पारमार्थिक ट्रस्ट के प्रमुख बालकिशन छावछरिया बल्लू भैया, समाजसेवी प्रिया प्रदीप शर्मा, राजेश गर्ग केटी, वैश्य महासम्मेलन के प्रांतीय महामंत्री अरविंद बागड़ी, दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी, पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता, चित्तौड़ा महाजन समाज के समाजसेवी चंदू गुप्ता, राजेन्द्र गर्ग समर्पण, अग्रसेन महासभा के एस.एन. गोयल समाधान, समाजसेवी एम.के. जैन, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा सहित अनेक विशिष्ट अतिथियों ने नवयुगलों को आशीर्वाद प्रदान किए।

अतिथियों का स्वागत आयोजन समिति की ओर से अनंत महंत, विश्व ब्राह्मण समाज संघ राष्ट्रीय संयोजक सावित्री महंत अग्रावत, वर्षा बंसल, राजकुमार बंसल, मोहित जिंदल, विकास जिंदल, दीपिका शर्मा, विनोद गोयल, एस.आर. गुप्ता, कमलेश मित्तल, संतोष जोशी, राजेन्द्र गुप्ता आदि ने किया।

अमेरिका से विशेष रूप से इस उत्सव के लिए आए आनंद महंत भी शामिल हुए। स्वागत करने वालों में गोपाल पुजारी, अशोक चतुर्वेदी, लोकेश बैरागी, रामसिंह बावेल, अपर्णा जोशी, जया तिवारी, रजनी पांडे भी मौजूद थे।

भगवान महावीर की गाथा से गूंज उठा देशना मंडप

इन्दौर । गांधी नगर गोधा एस्टेट के सुमतिधाम पर आयोजित पट्टाचार्य महोत्सव में मुख्य आयोजन में लाखों श्रद्धालु के पहुंचने के बाद आज पांचवे दिन विद्वानों के बीच सफल जल बिंदु महाकाव्य संगोष्ठी का आयोजन किया गया। दो सत्रों में आयोजित की गई संगोष्ठी में दक्षिण, उत्तर, पश्चिम और पूर्व से आए विद्वावानाचार्यों ने अपने-अपने वक्तव्य रखें।

राष्टीय विद्वत संगोष्ठी के बाद नव पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज ने धर्मसभा को संबोधित किया। उन्होंने मंगल प्रवचन में आचार्य विराग सागर ने जल बिंदु महाकाव्य की रचना की थी, बिंदु एक उत्कृष्ट शब्द हैं पशु, पक्षी, मनुष्य सभी की उत्पत्ति बिंदु से हुई है।

जल की बूंद ही नहीं जल से उत्पन्न होने वाले वीर का बोध भी बिंदु हैं जो उत्कृष्ट साधना की ऊंचाई पर पहुंचाता है और सिद्ध परमात्मा बना देता है। इसलिए जल की रक्षा करो और शरीर रूपी इस बूंद की भी रक्षा करो। इससे प्राणों की रक्षा होगी और प्रण की भी रक्षा होगी और दोनों की रक्षा तुम्हें भगवान बना देगा।

आचार्यश्री ने दृष्टांत के माध्यम से बताया कि एक घास पर ओंस की बूंद सूर्य की रोशनी में चमक उठती हैं वहीं बूंद प्रचंड गर्मी से सूखकर खत्म हो जाती है। उसी तरह मित्रों जीवन जल की बूंद हैं जब यमराज का प्रचंड तेज आएगा यह भी सूखकर खत्म हो जाएगी। जब तक बूंद पर ओस की चमक हैं मुस्कुरा लो, अभी जीवन मोतियों सा चमक रहा हैं इस चमकती बूंद के पानी को भगवान के चरणों में चढ़ा दो और स्वंय भगवान हो जाओ।

उन्होंने एक अन्य दृष्टांत देकर बताया कि एक व्यक्ति एक पानी की बूंद छत पर डालता हैं तो वह भाप बनकर उड़ जाती हैं और वहीं बूंद जमीन पर पढ़ती हैं तो बीज को अंकुरित कर देती है। इसलिए कूल के वृद्धि कारक बनना, नाशक मत बनना। संगोष्ठी में पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज ने सभी विद्वानों के उद्गारों की सराहना भी की।

NEET(UG) परीक्षा 4 मई को

इंदौर। राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एनटीए) नई दिल्ली द्वारा हश्वश्वञ्ज(त्र) परीक्षा 4 मई को आयोजित होगी। यह परीक्षा इंदौर जिले के 49 परीक्षा केन्द्रों पर एक साथ आयोजित की जायेगी। उक्त परीक्षा पूर्ण व्यवस्थित सुचितापूर्ण तथा नियम और निर्देशों के अनुरूप आयोजित कराने के लिए व्यापक तैयारियां की गई है।

इसके लिए कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने सभी 49 परीक्षा केन्द्रों पर मजिस्ट्रेट भी तैनात किये हैं। उक्त सभी अधिकारी संबंधित परीक्षा केन्द्रों पर निर्धारित समय पर उपस्थित रहकर परीक्षा की प्रत्येक गतिविधि का सूक्ष्म परीक्षण करेंगे।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिये है कि वे परीक्षा आयोजन तिथि के पूर्व संबंधित परीक्षा केन्द्र पर पहुँचे, परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण करें। केन्द्राध्यक्ष से चर्चा कर केन्द्र सम्पूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित करायें। किसी भी तरह की कमियां पाये जाने पर उसे तुरंत सुधार करायें। पूरी परीक्षा के दौरान गोपनीयता और सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाये। बताया गया कि सभी परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा के माकूल इंतजाम रहेंगे। पर्याप्त पुलिस बल रहेगा।

परीक्षा के दौरान सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए कलेक्टर कार्यालय में कंट्रोल रूम बनाया गया है। इस कंट्रोल रूम के प्रभारी संयुक्त कलेक्टर श्री विजय मंडलोई (मोबाइल नम्बर- 9425101379 तथा 7089101379) रहेंगे।

चतुरंग अकादमी की छात्राओं ने बाजी मारी

इंदौर। चतुरंग कला अकादमी आलोक नगर के विशारद कथक की छात्राओं ने अखिल भारतीय सांस्कृतिक नृत्य प्रतियोगिता और महोत्सव नागपुर में कथक नृत्य में प्रथम और तृतीय स्थान प्राप्त किया, जिसमें मानसी परदेसी प्रथम और वंशिका जैन तृतीय रहीं।

महोत्सव में मुग्धा केलकर को नृत्य विभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मुग्धा केलकर ने नृत्य में विशारद पूरा कर लिया है, ये तीनों बचपन से ही कथक नृत्य की शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। ये तीनों गुरु वाणी निगम के मार्गदर्शन में नृत्य की शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

सेज यूनिवर्सिटी, इन्दौर में वार्षिक उत्सव - यूफोरिया 2025 का आयोजन

इन्दौर। सेज यूनिवर्सिटी, इन्दौर में वार्षिक उत्सव - यूफोरिया 2025 के शुभारंभ में मुख्य अतिथि के रूप में इन्दौर शहर के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त - अमित सिंह ने शिरकत की। कार्यक्रम में उन्होनें विद्यार्थियों कोएकेडेमिक्स उपलब्धियों के साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेलों और एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज़ जीवन में उतार कर हम मित्रों, ग्रुप की शक्ति एवं सहयोग को बेहतर समझ पाते हैं।

सेज का ये कार्यक्रम इन सब विशेषताओं को अपने में समेटे हैं। कार्यक्रम में युवा अपनी प्रतिभा और रूझान के दम पर कई मुकाम हासिल कर सकते हैं। उन्होंने सेज है तो मुमकीन है एवं सत, चित आनंद जैसे सकारात्मक सोच के के साथ सभी विद्यार्थियों को ज़िदगी में एक सफल कलाकार और अभिनय के क्षेत्र में जाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के पहले दिन गायन-वादन एवं मॉडल हंट का प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

सेज यूनिवर्सिटी के चांसलर - इंजीनियर संजीव अग्रवाल ने सभी आयोजकों को इस विशेष कार्यक्रम के आयोजन हेतु शुभकामनाएं दी एवं कहा कि सेज यूनिवर्सिटी मध्य भारत में अपना वर्चस्व बढ़ा रही है, जो कि पूरे विश्व स्तर पर अपने ज्ञान, शोध और शिक्षा प्रणाली के आधार देश, दुनिया और समाज को प्रतिवर्ष ऐसे विद्यार्थियों को तैयार कर रहा है एवं भविष्य में भी स्टूडेंट्स को आगे बढ़ाने में अपना योगदान करता रहेगा।

यूफोरिया - 2025 में अगले दो दिनों में सिनेमा जगत के अभिनेता राजकुमार राव एवं फिल्मों एवं एलबमों में अपनी गायकी से एक अलग मुकाम हासिल गजेंद्र वर्मा आयेंगे एवं अपने डांस स्टाईल में युवाओं को थिरकाने के लिए डीजे - डीफोक्स और डीजे चेकमेट भी अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का भ्रमण कार्यक्रम

इंदौर। संशोधित भ्रमण कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एक मई रात्रि आठ बज कर 40 मिनट पर एयरपोर्ट इंदौर आकर ओम्कारेश्वर के लिए प्रस्थान करेंगे। मुख्यमंत्री जी 2 मई 2025 को इंदौर आयेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वे दोपहर 12-10 बजे ओम्कारेश्वर से इंदौर एयरपोर्ट आयेंगे। इसके पश्चात वे स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। वे दोपहर एक बजे विमानतल से भोपाल के लिये प्रस्थान करेंगे।

अ भा दशनाम गोस्वामी समाज ने की आदि गुरु शंकराचार्यजी की सैकड़ो दीपों से महाआरती

इंदौर। अखिल भारतीय दशनाम गोस्वामी समाज द्वारा आदि गुरु शंकराचार्यजी की जन्म जयंती की पूर्व संध्या पर एकात्मक मानववाद संदेश देकर समरसता महाआरती का आयोजन किया,जिसमे सभी समाजों ने शंकराचार्य जी की सैकड़ो दीपों से महाआरती की।

युवा शाखा प्रदेश अध्यक्ष कमलपुरी गोस्वामी इंदौर जिला अध्यक्ष सचिन पुरी ने बताया कि आदि गुरु शंकराचार्य जी की जन्म जयंती की पूर्व संध्या पर आयोजित आयोजन की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। ढोल नगाड़े ताशे बजाकर आदि गुरु शंकराचार्य जी के जीवन को प्रस्तुत किया। नर्मदाअष्टकम सहित अन्य नृत्य की प्रस्तुतियां कलाकारों ने दी।

सर्व ब्राह्मण समाज सिख समाज, कोली समाज,सिंधी समाज,विदास समाज, वाल्मिकी समाज, कबीरपंथी समाज,बलाई समाज, मुराई मौर्य समाज सहित अनेक समाजों के समाजजनो ने एक साथ समरसता का संदेश देते हुए जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर धर्मेंद्र पुरी महाराज सहित अनेक संतों की उपस्थिति में आदि गुरु शंकराचार्य जी की महाआरती की।

आयोजन में महामंडलेश्वर धर्मेंद्र पुरी जी महाराज, सांसद शंकर लालवानी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत सह संपर्क प्रमुख विनय पिंगले, प्रेस क्लब अध्यक्ष अरविंद तिवारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेश गोस्वामी, ईश्वर हिंदुजा सहित अन्य सम्मिलित हुए।

महामंडलेश्वर धर्मेंद्र पुरी महाराज ने कहा कि आदि गुरु शंकराचार्य जी पूरे जीवन का एक ही वाक्य है अहम् ब्रह्मास्मि हर प्राणी हर जीव मैं पर ब्रह्म परमेश्वर विद्यमान है।

सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि युवा पीढ़ी को धर्म के प्रति जागृत करने के लिए कार्य किए जा रहे है। समरसता का संदेश भी दिया जा रहा है।

विभिन्न समाजों के समाज प्रमुख रविदास समाज गणेश राम बिरदे, वाल्मीकि समाज से विक्की पथरोड, कबीरपंथी समाज देवीलाल जोडवाल, बलाई समाज धर्मराज प्रधान, सिख समाज से नरेंद्र सिंह सलूजा भेड़ी सिंह, कोली समाज अर्जुन सिंह शाक्यवार, कुशवाहा समाज त्रिलोक सिंह, सिंधी समाज अजय शिवानी, करणी सेना संजय झाला, मुरई मौर्य समाज जयदीप वर्मा, गोस्वामी समाज योगेंद्र पुरी, सर्व ब्राह्मण समाज विकास अवस्थी सूरज जोशी सहित अनेक समाजजन सम्मिलित हुए ।

इस अवसर गोस्वामी समाज के दशरथ गिरि, सुनील गिरी सुलचानिया, सतीश गिरि,अनिल गिरि, राकेश गिरि,जितेंद्र पुरी,रोशन भारती, कमलेश गिरि,केशव गिरि, माधव गिरि,विनोद वन, कुणाल पुरी, बबलू गिरि,सुनील गिरि, अनिल गिरि, सहित अन्य मौजूद थे।

संचालक राज भारती ने किया आभार बिजासन मंदिर के पुजारी श्री दीपक गोस्वामी माना।

सिंधु इंजिनीयर्स के दोवार्षिक चुनाव सर्वानुमिति से सम्पन

इंदौर। सिंधु इंजिनीयर्स की वार्षिक साधारण सभा व दुवार्षिक चुनाव सर्वानुमिति से सम्पन हुवे। निर्वाचन अधिकारी मनोहर नागपाल ने बताया की इस अवसर पर श्री शंकर लालवानी ससद इंदौर जो हमारी सस्था की संस्थापक सदस्य है वह भी उपस्थित थे।

उन्होने आवाहन किया की सिंधी इंजीनियरों को संघठित होकर नए विषयों पर अपनी राय देवे जैसे आर्टिफीसियल इंटिलिगेंस व् कहा की सफल इंजीनियर्स से युवा इंजीनियर्स का आपसी वार्तालाप व् सेमिनार करना चाहिए।संस्था की वरिष्ठ सदस्य मनोहर देव व् चंद्रकांत मखीजा भी उपस्थित थे श्री मनोहर देव ने मनिला में होने वाले इंटरनेशनल सिंधी सम्मेलन 30,31 अक्टूबर व 1 नवंबर कोसभी को आमंत्रित किया।

चुनाव अधिकारी मनोहर नागपाल ने निम्नलिखित सदस्यों को निर्विरोध निर्वाचित किया अध्यक्ष चंद्रकुमार कुकरेजा उपाध्यक्ष:अमरलाल चुघ पूर्व अध्यक्ष मोतीराम बलानी सचिव महेश दादवानी सहा सचिव:करन रमानीकोषा अध्यक्ष दिलीप जेठानी डायरेक्टर्स मनोहर देव, मोहिनेष जगवानी, जी बी बदलनी, अरुण नागरानी, मनोहर मेंघवानी, रमेश सीतलानी कोऑपटेड डायरेक्टर्स मनोहर नागपाल व प्रवीण फतनानि चुने गए

वंदे मातरम-भारत माता की जय और योगाभ्यास के साथ समरकेम्प का शुभारंभ

इंदौर। विद्यार्थियों में रचनात्मकता-सृजनशीलता,कला और कौशल के विकास के लिये शा सीएम राइज अहिल्याश्रम कन्या उमावि क्र 2 में ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन 1 मई से 20 मई के मध्य किया जा रहा है। शिविर के शुभारंभ के अवसर पर छात्राओं ने वंदे मातरम -भारत माता की जय और योगाभ्यास कर किया ।

इस शिविर में प्रशिक्षक वर्ग विद्यार्थियों को सहभागिता करवाकर आपसी सहयोग, टीम वर्क, समस्याओं का समाधान,आपसी सामंजस्य और नेतृत्वकला के गुण उन्हें सिखाएंगे। विद्यालय के प्राचार्य दीपक हलवे ने इस अवसर पर अपने संबोधन में छात्राओं से कहा कि शिविर में अपनी उपस्थिति संख्या बल को बढाने तक नहीं रखना है, बल्कि पूर्ण समर्पित भाव से इसमें हिस्सेदारी निभाना है ।

उन्होंने बताया कि शिविर में प्रतिदिन रस्पोकन इंग्लिश, मेहंदी, नृत्य, हस्त कला एवं क्राफ्ट, खेल और खिलौने बनाना, चित्रकला, गायन, रोलप्ले, कविता-कहानी, खेल, नाटक और फैंसी ड्रेस के विषय विशेषज्ञ प्रशिक्षण के लिये उपलब्ध रहेंगे। उपरोक्त प्रशिक्षण हेतु पंजीयन शुल्क मात्र दस रुपये निर्धारित है।

चिन्मय बाल संस्कार शिविर का शुभारंभ 5 मई से

इंदौर। बच्चों में अच्छे संस्कार और नैतिक मूल्यों के विकास के लिए संस्कार शिविर बहुत आवश्यक हैं। इनमें शिक्षण पाकर बच्चे अनुशासित और सुसंस्कृत जीवन जीना सीखते हैं, संस्कार ही उनके जीवन की अनमोल पूंजी और विरासत है। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु चिन्मय बाल संस्कार शिविर

विजयनगर इंदौर के स्कीम 78 स्थित चिन्मय मिशन आश्रम में 5 मई से 11 मई तक आश्रम-प्रांगण में बाल संस्कार शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में गुरुजी के द्वारा गीता चैटिंग और दैनिक प्रार्थनाएँ सिखाई जाएँगी। श्रेष्ठ प्रशिक्षकों द्वारा वैदिक मैथ्स, शास्त्रीय एवं सुगम संगीत, आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स, मार्बल पेंटिंग, सूर्य नमस्कार, ऐरोबिक्स, मेडिटेशन करवाया जाएगा। स्वास्थ्य-चर्चा, पर्यावरण और वृक्ष एवं पक्षी संरक्षण का महत्व आदि कक्षाएँ संचालित होंगी। बालवाड़ी समूह में बच्चों को एक्शन सॉंग, बीजारोपण, रामायण आधारित कहानियों पर क्राफ्ट वर्क कराया जाएगा।

कार्टून कोना.....

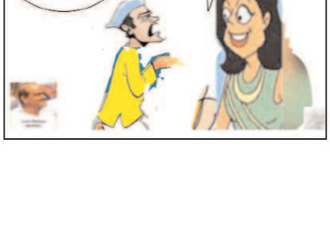

देपालपुर में होगा आध्यात्मिक जागरण का विराट संगम

6 मई से 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ और प्रज्ञा पुराण कथा का आयोजन

देपालपुर (संदीप सेन)। भारत की प्राचीन वैदिक परंपरा को जन-जन तक पहुँचाने और यज्ञ संस्कृति के माध्यम से समाज में आध्यात्मिक जागरण लाने के उद्देश्य से अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में एक दिव्य और ऐतिहासिक आयोजन की तैयारी जोरों पर है।

दिनांक 6 मई से 9 मई 2025 तक देपालपुर नगर स्थित नक्षत्र सिटी कॉलोनी, कॉलेज के सामने, इंदौर रोड पर 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ एवं प्रज्ञा पुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें नगर सहित अंचल के हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

इस आयोजन की विशेष बात यह है कि इससे पूर्व अखिल विश्व गायत्री परिवार की देपालपुर शाखा द्वारा शक्ति कलश रथ यात्रा के माध्यम से नगर और गाँव-गाँव में जाकर पूजा-अर्चना, यज्ञीय वातावरण का निर्माण और जनजागरण का कार्य किया जा रहा है। यह रथ जहां-जहां पहुंच रहा है, वहाँ श्रद्धालुओं और ग्रामीणों का उत्साह देखते ही बनता है। हर पड़ाव पर शक्ति कलश की पूजा, गायत्री मंत्र के उच्चारण और यज्ञीय आहुतियों के साथ वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण किया जा रहा है।

यज्ञ केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि यह राष्ट्र और समाज के पुनर्निर्माण की आधारशिला है। इसी भावना के साथ आयोजित हो रहे इस महायज्ञ में न केवल वैदिक मंत्रों और आहुतियों की गूंज सुनाई देगी, बल्कि जीवन निर्माण की दिशा देने वाली प्रज्ञा पुराण कथा भी जनमानस को नई चेतना से अभिभूत करेगी। शांतिकुंज हरिद्वार से आए प्रशिक्षित विज्ञान प्रतिनिधियों द्वारा इस आयोजन का संचालन किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक दिन सुबह ध्यान साधना, प्रज्ञायोग सत्र, देवपूजन, सामूहिक यज्ञ, संस्कार समारोह और रात्रि में प्रवचन होंगे। यज्ञशाला में एक साथ 24 यज्ञकुंडों पर विधिवत आहुतियाँ दी जाएंगी और समवेत स्वर में मंत्रोच्चारण के साथ वातावरण को संस्कारित किया जाएगा। यह आयोजन समाज में व्याप्त कुरीतियों, नशे की प्रवृत्ति, नैतिक पतन और पारिवारिक विघटन जैसी समस्याओं के समाधान की दिशा में भी एक सशक्त हस्तक्षेप है। कथा के माध्यम से नारी जागरण, युवा प्रेरणा, संस्कार निर्माण और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व जैसे विषयों पर प्रभावशाली संदेश दिए जाएंगे।

विशेष रूप से इस आयोजन में विविध संस्कार जैसे नामकरण, अन्नप्राशन, मुंडन, विद्यारंभ, यज्ञोपवीत, दीक्षा आदि पूर्णतः निःशुल्क कराए जाएंगे। आयोजक मंडल ने नगरवासियों और क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे यथासंभव तन, मन, धन, साधन और प्रतिभा से इस युग निर्माण अभियान में सहभागी बनें और आयोजन को सफल बनाएं।

इस चार दिवसीय आयोजन के पहले दिन एक भव्य शोभायात्रा और मंगल कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें नगर की मातृशक्ति कलश लेकर सम्मिलित होगी। प्रवचनों की श्रृंखला में पहले दिन युगशक्ति गायत्री, दूसरे दिन नारियों जागो स्वयं को पहचानो, तीसरे दिन स्वस्थ समाज और संस्कार कौन बनाए तथा चौथे दिन नशा निवारण संकल्प और यज्ञ की पूर्णाहुति जैसे प्रेरक विषयों पर मर्मस्पर्शी वक्तव्य होंगे।

आयोजन समिति की ओर से यह भी बताया गया है कि यज्ञ में भाग लेने वाले पुरुष पारंपरिक भारतीय परिधान जैसे धोती-कुर्ता में तथा महिलाएं साड़ी में उपस्थित हों ताकि यज्ञ की गरिमा अक्षुण्ण बनी रहे। आयोजन के प्रति नगरवासियों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। युवा वर्ग से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक सभी अपने-अपने स्तर से आयोजन की व्यवस्थाओं में जुटे हैं। स्थानीय विद्यालयों, सामाजिक संगठनों और महिला मंडलों ने भी इस पुण्य कार्य में सक्रिय सहयोग का आश्वासन दिया है।

श्री क्लॉथ मार्केट वैष्णव हायर सेकेण्डरी स्कूल में समर कैम्प 'हैलो समर' 2025 का शुभारंभ

इन्दौर। शहर के लब्ध प्रतिष्ठित वैष्णव ट्रस्ट द्वारा 75 वर्षों से संचालित, सी.बी.एस.ई. विद्यालय श्री क्लॉथ मार्केट वैष्णव हायर सेकेण्डरी स्कूल राजमोहल्ला इन्दौर द्वारा अपने हीरक जयंती वर्ष में विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिये 1 मई 2025 को समर कैम्प का शुभारंभ रंगारंग गुब्बारों को आकाश में छोड़कर विभिन्न प्रस्तुतियों के साथ सरस्वतीजी व गणेशजी की मूर्ति पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन कर किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि भारतीय सेना में पदस्थ

लांस नायक श्री बजेशजी चौहान (वॉलीबाल के राष्ट्रीय खिलाड़ी) व विद्यालय के अध्यक्ष श्री देवेन्द्र कुमार जी नागर, सचिव श्री मनीष जी बाहेती, शिक्षक पालक संघ के सदस्यों, शिक्षकों व छात्रों की उपस्थिति में किया गया।

समर कैम्प के दौरान विद्यालय एवं अन्य विद्यालयों के बालक बालिकाएँ प्रातः 7:30 से 9:30 तक विभिन्न खेल गतिविधियों टेबल टेनिस, हैंडबाल, वॉलीबाल, बास्केटबाल कराटे, योगा, कबड्डी ,खो-खो, स्केटिंग कुराश, डांस, म्यूजिक आर्ट एण्ड क्राप्ट आदि में हिस्सा लेकर स्किल बेस्ड शिक्षा की ओर अग्रसित हो रहे है। कैम्प में अभिभावकों के लिये अंग्रेजी और कम्प्यूटर कक्षाओं का भी विशेष आयोजन पालकों की मांग पर किया गया है। सभी प्रशिक्षकों से बालक बालिकाओं का परिचय करवाया गया। जिसके अंतर्गत कुल 200 बालक - बालिकाओं के रजिस्ट्रेशन किये गये। संचालन कक्षा 11 वीं के छात्र मास्टर विराट राजपूत के द्वारा किया गया व आभार प्रदर्शन संस्था की उप-प्राचार्या श्रीमती रूपालीजी त्रिवेदी द्वारा किया गया।

कमर्शियल गैस सिलेंडर 15 रुपए सस्ता

घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं

इंदौर। मई महीने की पहली तारीख को कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के भाव कम हो गए हैं। 1 मई से दिल्ली में कमर्शियल गैस सिलेंडर 15 रुपये सस्ता हो गया है। हालांकि, घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अप्रैल में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 1762 रुपये में मिल रहा था और अब कीमत 1747 रुपये हो गई है। वहीं कोलकाता में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 1851, मुंबई में 1699 और चेन्नई में 1906 रुपये हो गई है। वहीं दिल्ली में घरेलू एलपीजी सिलेंडर दिल्ली में 853, कोलकाता में 879, मुंबई में 852.50 और चेन्नई में 868.50 रुपये में बिक रहा है। इससे पहले घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम 8 अप्रैल को अपडेट हुए थे। उस समय सरकार ने 14.2 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत 50 रुपये बढ़ा दी थी। देशभर में 32.9 एलपीजी कनेक्शन हैं, इनमें से 10.33 करोड़ कनेक्शन उज्ज्वला स्कीम के तहत आते हैं। इस योजना के तहत सरकार गरीब परिवारों को प्रति सिलेंडर 300 रुपए तक की सब्सिडी देती है।

पश्चिम क्षेत्र में बिजली की आंख बिचोली से रहवासी परेशान

इन्दौर। पश्चिम क्षेत्र विद्युत मंडल सिरपुर जोन के अंतर्गत आने वाली कॉलोनी ग्रीन पार्क के आसपास की सभी कॉलोनी में बिजली की आंख मीचोली से रहवासी काफी परेशान है तेज गर्मी मे बिजली की आँख मिचोली से क्षेत्र की जनता को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्राम पंचायत बाग के अंतर्गत आने वाली कॉलोनी में आए दिन बिजली की आंख मीचोली चल रही है रात में मच्छरों का आतंक है मच्छरों के काटने से मासूम बच्चे बीमार हो रहे हैं ग्राम पंचायत बाक के जन प्रतिनिधि क्षेत्र की समस्या को देखकर भी अनजान है बिजली की आंख मीचोली की समस्या को लेकर कोई जनप्रतिनिधि मैदान में नहीं है पाँच सालो मे एक बार चुनाव के समय वोट लेने आते है और पांच साल तक जनता जन प्रतिनिधियों के ऑफिस के चक्कर लगाती है भीषण तेज गर्मी मे बिजली की आँख मिचोली और देर रात तक अँधेरे मे जहरीले मच्छरों का आतंक मच्छरों के काटने से मासूम बच्चे बीमारी का शिकार हो रहे हैं समाज सेवी सादिक खान, मो. अलमेर, फरहान खान, हेमराज प्रजापत, जाय खान, ने चेतावनी देते हुए आगे बताएं कि विद्युत मंडल की आंख मीचोली बन नहीं की गई तो विद्युत मंडल सिरपुर ज़ोन पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

जिले में संस्कार विधि के कार्यक्रम आयोजित किए जायें

इंदौर। बुद्धिस्ट सोसायटी आफ इंडिया के तत्वावधान में महाबोधि सांची सेंटर, जिला रायसेन में केंद्रीय कमेटी एवं मध्यप्रदेश शाखा की बैठक संपन्न हुई। सुबह 10.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक मध्यप्रदेश शाखा की बैठक का आयोजन हुआ, जिसमें दि बुध्दिस्ट सोसायटी आफ इंडिया मध्यप्रदेश की जिलेवार लेखा जोखा की जानकारी ली गई।

बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों द्वारा अपना-अपना परिचय दिया। बैठक में विशेष रूप से केंद्रीय पदाधिकारियों में राष्ट्रीय महासचिव एवं ट्रस्टी आयु. शंकरराव जी ढेंगरे, केंद्रीय कोषाध्यक्ष एवं ट्रस्टी आयु.इं. धम्मरतन सोमकुंवर जी, केंद्रीय सचिव, आयु.बी.टी. गज-भिये जी, केंद्रीय संगठक, अशोक कुमार असैया जी उपस्थित थे। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष आयुष्मान सी.एल.बौध्द जी व्दारा की। बौद्ध जी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में जिलों से आए पदाधिकारी एवं प्रदेश के पदाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि संस्था की सदस्यता को अधिक से अधिक बढ़ाने का प्रयास करें। प्रत्येक जिले में संस्कार विधि के कार्यक्रम आयोजित किए जायें। इसके पूर्व केंद्रीय पदाधिकारियों ने भी अपने -अपने विचार व्यक्त किए तथा प्रदेश के उपस्थित हुए सभी पदाधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इस बैठक का संचालन प्रदेश के महासचिव चिंतामन पगारे, द्वारा किया गया। बैठक के समापन अवसर पर केन्द्रीय पदाधिकारी एवं प्रदेश के पदाधिकारी तथा उपस्थित जिले के पदाधिकारी का आभार व्यक्त किया गया।

बैठक में मंच पर विशेष रूप से केंद्रीय विधि सलाहकार एवं ट्रस्टी,एड.बी.के.बर्वे जी, संस्था के राष्ट्रीय महासचिव एवं ट्रस्टी, आयु. शंकर राव ढेंगरे, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एवं ट्रस्टी इं. धम्मरतन सोम कुंवर ट्रस्टी एस.आर. काण्डे, ट्रस्टी एस.डी. भास्कर, राष्ट्रीय अध्यक्ष भदंत आर्यवंशी, ट्रस्टी,संदीप ज्योतिकर, उपस्थित थे। यह जानकारी भारतीय बौद्ध महासभा के संभाग्य प्रवक्ता व प्रदेश मीडिया प्रभारी सुरेश वानखेड़े द्वारा दी गई।

महार समाज का निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न

इंदौर। श्री सोमवंशीय सकल पंच महार समाज केन्द्रीय समिति के 30 वे भव्य निःशुल्क सामूहिक विवाह समारोह में 6 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। सम्मेलन गांधी हाल परिसर में आयोजित हुआ। सामूहिक विवाह समिति के प्रभारी पवन सिरसाट एवं भैया बाइस्कर ने बताया कि सम्मेलन में शामिल होने वाले सभी नवयुगल जोडों, बराती-घरातियों को स्वच्छता, जल बचाव का संकल्प दिलावाया गया।

समाज के केन्द्रीय अध्यक्ष नारायण गायकवाड द्वारा जानकारी दी गयी कि सम्मेलन में समाज के अलग-अलग समाजसेवियों द्वारा नवविवाहित जोडों को गृहस्थी का सामान उपहार स्वरूप दिया गया। यह आयोजन समाज में समरसता लाने के उद्देश्य से विगत 29 वर्षों से अनवरत किया जा रहा है।

सम्मेलन पूर्णतः निःशुल्क रखा गया। सम्मेलन में भाजपा अनुसूचित मोर्चे के कार्यकारिणी सदस्य श्री प्रताप करोसिया विशेष रूप से मौजूद हुए। सम्मेलन को सफल बनाने में विजय टपाल, किशोर बाइस्कर, अनिल पंवार, सुभाष निकुमकर, यशवंत पंवार, राजेश सासदिये, लकी टपाल, लखन अडाव, संतोष सिंगारे, जीवन सोनाने, धनंजये करारे, दीपक कोंगे का विशेष योगदान रहा।

सम्मेलन में महिला मण्डल एवं नवयुवक मण्डल के सदस्यों का कार्य सराहनीय रहा।

सानिध्य का नौ दिवसीय कैंप फार चैप 3 मई से स्कूल में

इंदौर। सानिध्य का 9 दिवसीय कैंप फार चैप का आयोजन 3 मई से 11 मई तक खंडवा रोड स्थित जे जे पब्लिक स्कूल में किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए स्टडी सेंटर बेस्डोनेक और यूट्यूब चैनल आओ सीखो के फाउंडर और डायरेक्टर कैलाश चंद्र शर्मा ने बताया कि यह कैम्प हर उम्र के लिए है। इसमें सीखने वालो को उम्र, क्षमता और आवश्यकताओं के अनुसार अलग अलग समूह में बांटकर प्रशिक्षण दिया जाता है। शर्मा ने बताया कि सानिध्य यानी अनुभवी गुरु के सानिध्य में रहकर स्वयं के व्यक्तित्व का विकास करना। सानिध्य यानी अपनी जिज्ञासा को मनोवैज्ञानिक पद्धति से शांत करना और अपने विवेक और आत्म विश्वास को बढ़ाना।

नशा मुक्ति के लिए 3 मई को प्रदेश स्तरीय कार्यशाला

इन्दौर। मध्य प्रदेश को नशा मुक्त करने के उद्देश्य को लेकर, इंदौर से मुहीम प्रारंभ की जाकर प्रदेश के नागरिकों को जागरूक करने एवं नशा पीड़ितों के उपचार सहित विभिन्न विषयों को लेकर इन्दौर में कार्यशाला आयोजित कर भविष्य की कार्ययोजना बनाई जाएगी। जन सहयोग से जनता का घोषणा पत्र बनाकर प्रदेश सरकार को सौप जाएगा। कार्यशाला में मुख्य वक्ता, राष्ट्रीय नशा मुक्ति केंद्र,एम्स नई दिल्ली, लखनऊ तथा भोपाल के मनोरोग एवं नशा रोग विशेषज्ञ सम्मिलित होंगे। यूनिवर्सल पीस एंड सोशल डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा इंदौर स्कूल आफ सोशल वर्क के सहयोग से 3 मई को, एमजीएम मेडिकल कॉलेज सभागृह में नशा मुक्त मध्य प्रदेश की थीम को लेकर प्रदेश में पहली बार इस तरह की कार्यशाला आयोजित की जा रही है। आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ अनिल भंडारी, सचिव डॉ रामगुलाम राजदान, शफी शेख, डॉ राजेंद्र शर्मा ने बताया कि प्रदेश में पहली बार हो रही इस तरह की महत्वपूर्ण कार्यशाला में, राष्ट्रीय नशा मुक्ति केंद्र,एम्स नई दिल्ली के वरिष्ठ मनोरोग विशेषज्ञ डॉ अजय अंबेकर, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय लखनऊ के प्रो डॉ पी के दलाल ,एम्स भोपाल के डॉ तपोमूद मोदक सहित मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से डॉक्टर मनो चिकित्सक, नशा रोग विशेषज्ञ, नशा मुक्ति केंद्र के प्रतिनिधि ,एन जी ओ के प्रतिनिधि,विद्यार्थी, शिक्षक तथा अल्कोहलिक एनानीमस संस्था के प्रतिनिधियों सहित पुलिस, नारकोटिक्स, सामाजिक न्याय विभाग सहित विभिन्न करीब 200 प्रतिनिधि सम्मिलित होंगे। एक दिवसीय कार्यशाला जो प्रदेश में पहली बार आयोजित की जा रही है इसमें ,मध्य प्रदेश के तेजी से बढ़ रहे इंदौर जैसे शहरों में युवाओं में तेजी से बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति, ड्रग्स आदि के बढ़ने के कारणों एवं रोकने के बारे में गम्भीरता पूर्वक चिंतन कर विद्यार्थियों में जागरूकता लाने तथा अन्य प्रयासों पर भी चर्चा की जाएगी।

ईकेवायसी से शेष रहे पात्र हितग्राहियों के लिए अवधि 15 मई तक बढ़ाई गई

रतलाम। शासन निर्देशानुसार रतलाम जिले में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के अंतर्गत समस्त पात्र परिवारों के सभी सदस्यों की ईकेवायसी करवाना अनिवार्य है। इस हेतु 30 अप्रैल 2025 तक विशेष अभियान चलाया गया था। एनएफएसए 2013 अंतर्गत लाभान्वित हितग्राहियों की ईकेवायसी राज्य शासन की प्राथमिकता का कार्य है। अतः उक्त कार्य की प्राथमिकता को दृष्टिगत रखते हुये ईकेवायसी अभियान की अवधि 15 मई 2025 तक बढ़ाई गई है। अतः उपभोक्ताओं से अपील की जाती है कि वे अपनी शासकीय उचित मूल्य दुकान पर जाकर पीओएस मशीन से अथवा ग्राम/वार्ड/मोहल्लो में विक्रेता द्वारा किये जा रहे कैम्प के माध्यम से शेष रहे पात्र हितग्राहियों के ईकेवायसी का कार्य अतिशीघ्र करवाएं अथवा पात्र हितग्राही अपने एंड्रोइड मोबाईल फोन के माध्यम से मेरा ईकेवायसी ऐप को डाउनलोड कर स्वयं अपने परिवार के सदस्यों का तथा अन्य पात्र हितग्राहियों का भी ईकेवायसी (स्नइ्ष्द्र-ह्हद्धद्दठ्ठह्दष्इ्हद्धशठ्ठ) के माध्यम से कर सकते है, जिससे परिवार के सभी सदस्यों का राशन प्रदाय निर्बाध रूप से हो सकें। शासकीय उचित मूल्य दुकान से राशन लेने वाले सभी पात्रता पर्चीधारी परिवारों के सदस्यों को आधार प्रमाणीकरण कर लाभार्थी सत्यापन ईकेवायसी पीओएस मशीन / मेरा ईकेवायसी ऐप से किया जा रहा है। ईकेवायसी नहीं होने की स्थिति में भविष्य में उन्हें राशन मिलना बंद हो जाएगा तथा वन नेशन वन राशन कार्ड एवं राशन पोर्टेबिलिटी सुविधा का लाभ हितग्राही नहीं ले सकेंगे। अतः सभी पात्र हितग्राही परिवार के सभी सदस्यों की ईकेवायसी पीओएस मशीन / मेरा ईकेवायसी ऐप के माध्यम से करवाना सुनिश्चित करें।

अहमदाबाद-दानापुर स्पेशल ट्रेन का परिचालन स्पेशल किराया के साथ

रतलाम। ग्रीष्मकालीन छुट्टियों के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल से होकर अहमदाबाद से दानापुर के लिए साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का परिचालन स्पेशल किराया के साथ किया जाएगा। गाड़ी संख्या 09407/09408 अहमदाबाद-दानापुर स्पेशल दोनों दिशाओं में सात-सात फेरे चलेगी। गाड़ी संख्या 09407 अहमदाबाद दानापुर स्पेशल 06 मई, 2025 से 17 जून, 2025 तक अहमदाबाद से प्रति मंगलवार को 09.20 बजे चलकर पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के रतलाम(14.40/15.00, मंगलवार) एवं उज्जैन(16.55/17.00) होते हुए प्रति बुधवार को 19.00 बजे दानापुर पहुँचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 09408 दानापुर अहमदाबाद स्पेशल 07 मई, 2025 से 18 जून, 2025 तक दानापुर से प्रति बुधवार को 22.30 बजे चलकर रतलाम मंडल के उज्जैन(20.30/20.35, गुरूवार) एवं रतलाम(22.25/22.35) बजे होते हुए शुक्रवार को सुबह 06.00 बजे अहमदाबाद पहुँचेगी। इस ट्रेन का दोनों दिशाओं में नडियाद, छायापुरी, रतलाम, उज्जैन, संतहिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुड़वारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर एवं आरा स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है। यह ट्रेन सेकंड एसी, थर्ड एसी, स्लीपर एवं सामान्य श्रेणी के कोच के साथ चलेगी।

समयपालनता (पंक्चुअलिटी) में पश्चिम रेलवे का रतलाम मंडल रहा अव्वल अप्रैल 2025 में पूरे भारतीय रेलवे में शीर्ष पर

रतलाम। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल पर यात्री सुविधा, अधोसंरचनात्मक विकास के साथ ही साथ संरक्षा एवं सुरक्षा के प्रति सजग और सतर्क तो है ही ट्रेनों के परिचालन में भी मंडल काफी सजग है। इसी का प्रतिफल है कि वर्ष 2025-26 के अप्रैल-2025 में पूरे भारतीय रेलवे में अपना परचम लहराते हुए रतलाम मंडल पूरे भारतीय रेलवे के 17 जोन के 68 मंडलों में प्रथम स्थान प्राप्त कर पश्चिम रेलवे को गौरवान्वित किया है। अप्रैल, 2025 के अंत में जारी आंकड़ों के अनुसार पश्चिम रेलवे का रतलाम मंडल 99.04 प्रतिशत समयपालनता के साथ भारतीय रेलवे में पहला स्थान प्राप्त किया है। इस अवधि के लिए जारी समयपालनता में पश्चिम रेलवे का भावनगर मंडल 98.54 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है। मंडल रेल प्रबंधक अश्वनी कुमार के कुशल मार्गदर्शन तथा वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक के कुशल निर्देशन के साथ ही परिचालन, इंजीनियरिंग, सिगनल, बिजली, यांत्रिक सहित अन्य संबंधित विभागों के मध्य कुशल समन्वय के कारण ही हम इस उपलब्धि को प्राप्त कर सके हैं। ट्रैक एवं अन्य मरम्मत कार्य के लिए ब्लॉक जारी करना, समय पर ब्लॉक समाप्त करना, सिगनलिंग सिस्टम की कार्यकुशलता, ओएचई(ओवर हेड इक्यूपमेंट) का कुशलतापूर्वक अनुरक्षण, ट्रेन मैनेजरों एवं लोको पायलटों का समुचित उपयोग एवं उचित मॉनिटरिंग समयपालनता को बनाये रखने में काफी प्रभावी कारक हैं। रतलाम मंडल पश्चिम रेलवे का एक महत्वपूर्ण मंडल है जो गुजरात, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान में फैला है। मंडल के विभिन्न स्टेशनों से होकर प्रतिदिन औसतन लगभग 150 से अधिक यात्री ट्रेनें एवं 70 से अधिक मालगाडियों का परिचालन किया जाता है। मंडल के अंतर्गत गोधरा, नागदा, संत हिरदारामनगर, चित्तौडग़ढ़, चंदेरिया स्टेशन ट्रेनों के पांच महत्वपूर्ण हैंडिंग ओवर एवं टेकिंग ओवर पाईंट हैं। यह मंडल ट्रेन परिचालन की दृष्टि से देखें तो काफी विविधताओं से भरा है। इतनी चुनौतियों के बावजुद मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सतत प्रयास के कारण ही हम इस उपलब्धि को प्राप्त कर सके हैं। वित्त वर्ष 2025-26 के प्रथम माह में यह उपलब्धि हासिल कर यह साबित कर दिया है कि सतत निगरानी, कुशल समन्वय एवं संसाधनों का सक्षमता पूर्वक उपयोग कर किसी भी उपलब्धि को हासिल किया जा सकता है। हम इस उपलब्धि की निरंतरता को बनाये रखने के लिए सतत प्रयासरत हैं

लाड़ली लक्ष्मी योजना उत्सव आज मनाया जायेगा अलकापुरी कम्युनिटी हॉल में

रतलाम। शासन निर्देशानुसार लाड़ली लक्ष्मी योजना अन्तर्गत लाड़ली लक्ष्मी दिवस आज 2 मई 2025 शुक्रवार को प्रातः 11 बजे अलकापुरी कम्युनिटी हॉल में उत्सव के रूप में मनाया जायेगा आयोजित कार्यक्रम में जन प्रतिनिधिगण, लाड़ली बालिका एवं उनके अभिभावक, लाडली क्लब की अध्यक्ष एवं सदस्य लाड़ली बालिकाऐं उपस्थित रहेंगी। आयोजित कार्यक्रम में कन्या पूजन, दीप प्रजज्वलन, स्कूल व महाविद्यालय में प्रवेशित लाड़ली बालिका द्वारा उद्बोधन, अपराजिता अन्तर्गत मार्शल आर्ट का प्रदर्शन, उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाली बालिकाओं का सम्मान, लाड़ली बालिका को आश्वासन प्रमाण-पत्र का वितरण, लाड़ली लक्ष्मी क्लब की अध्यक्ष एवं सदस्यों द्वारा क्लब की गतिविधियों के संबंध में अनुभव साझा, लाड़ली बालिकाओं द्वारा प्रतिभा का प्रदर्शन (संगीत, नृत्य, अन्य सांस्कृतिक गतिविधियां आदि), सांस्कृतिक कार्यक्रम में लाड़ली बालिकाओं द्वारा प्रस्तुति व एक पेड़ लाड़ली लक्ष्मी के नाम'' से लाड़ली लक्ष्मी वाटिका में जनप्रतिनिधियों एवं लाड़ली बालिकाओं द्वारा रोपित किया जायेगा।

रतलाम पुलिस को बड़ी सफलता

शहर और जावरा में चोरी करने वाली अंतर्राज्यीय चोर गैंग को राजस्थान से पकड़ा

200 कि.मी. तक के सीसीटीवी कैमरे चेक कर आरोपियों तक पहुंची पुलिस

रतलाम।

एसपी अमित कुमार के निर्देशन में रतलाम पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने रतलाम शहर और जावरा सहित देश के अलग-अलग शहरों में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले अंतर्राज्यीय चोर गिरोह को राजस्थान के चित्तौडग़ढ़ से गिरफ्तार किया है। एसपी ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले की जानकारी दी।

एसपी अमित कुमार ने बताया कि 28 अप्रैल को जावरा के इन्द्रा कॉलोनी निवासी अजयपिता जयंतीलाल कियावत ने रिपोर्ट किया कि किसी अज्ञात चोर द्वारा उनके घर का ताला तोडकर घर में रखी अलमारी में से सोने चांदी के जेवर चोरी कर लिए हैं। बदमाश एक सोने का पेंडल 2 ग्राम, सोने की चैन 15 ग्राम, सोने की 04 अंगुठी 12 ग्राम की, 02 जोड़ सोने के कान के करीबन 5 ग्राम (कीमती करीबन 04 लाख रुपये) व नगदी करीबन 30 हजार रुपये तथा आर्टिफिशियल ज्वेलरी, चांदी के पायजेब 03 जोड़, चांदी की बिछिया 02 जोड़, एक टायटन की घड़ी करीबन 10 हजार रुपये की, 07 घडिय़ा सामान्य एवं पर्स जिसमे आधार कार्ड एवं दुकान का विजिटिंग कार्ड कुल सामान कीमती करीब 05 लाख रुपये चुराकर ले गए है। बदमाशों ने एक अन्य घर मे भी नकुचा तोडकर चोरी करने का प्रयास किया। जिस पर से थाना जावरा शहर पर धारा-331(3),305 , बीएनएस का पंजीबध्द कर विवेचना मे लिया गया। गठित की गई टीमो द्वारा लगातार सीसीटीवी फुटेज तथा तकनिकी संसाधनो का उपयोग कर साक्ष्य जुटाये जाकर घटना स्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज चेक किये गये जिसमे कुछ संदीग्ध व्यक्ति घुमते हुए दिखाई दिये जिनके संबंध मे अलग अलग स्थानो के करीबन 100 से 200 किलोमीटर के सीसीटीवी कैमरे चेक किये गये। सीसीटीवी कैमरे तथा सायबर सेल व अन्य तकनिकी संसाधनो व बस कंडेक्टरो से पुछताछ करते संदिग्ध व्यक्तियो के चित्तोडग़ढ़ राजस्थान जाने की जानकारी प्राप्त हुई।

चित्तोडग़ढ़ राजस्थान पहुंचकर संदिग्धों की तलाश रेल्वे स्टेशन एवं बस स्टेण्ड पर करने पर 03 संदिग्ध व्यक्ति बस स्टेण्ड के पास चित्तोडग़ढ़ राजस्थान के मिले। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहे व्यक्तियो से जिनमे चेहरे एवं कपड़े मैच होने पर आरोपीयो से सदर अपराध के बारे मे पुछताछ करते जुर्म करना स्वीकार किया गया जिन्हे गिरफ्तार किया जाकर आरोपीयो से चोरी गया मश्रुका सोने चांदी के जेवरात और सामान जप्त किया गया।

रतलाम की चोरी भी कबूली

एसपी अमित कुमार ने बताया कि आरोपियों ने हाल ही में रतलाम में हुई चोरी की वारदात भी कबूली है। उनसे इस संबंध पूछताछ कर माल जब्ती के प्रयास किया जा रहे हैं।आरोपीयो ने माधवनगर उज्जैन, भोपाल, बेंगलोर, केरल, दिल्ली मे भी चोरी की वारदाते करना बताया जिसके संबंध में जानकारी एकत्रित की जा रही है। आरोपीयो को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड लिया जाकर पुछताछ की जारी है।

200 कि.मी. तक कैमरे चेक किए

एसपी अमित कुमार एवं एएसपी राकेश खाखा ने घटना की गंभीरता के दृष्टीगत सीएसपी जावरा दुर्गेश आर्मो व थाना प्रभारी जावरा शहर निरीक्षक जितेन्द्र सिह जादौन को घटना के हर पहलू पर जांच करने के निर्देश दिये। मामला जावरा शहर के सघन आबादी क्षेत्र में हो रही चोरी का होने से थाना प्रभारी जावरा शहर जितेन्द्र सिंह जादौन द्वारा टीम को सक्रिय कर साक्ष्य जुटाये गये एवं चोरीयो पर नकेल कसने के लिये पृथक पृथक 05 टीमो का गठन किया गया।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

जावरा शहर थाना प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र सिह जादौन, उनि रघुवीर जोशी, सउनि रणवीरसिह तोमर, प्रआर जाकीर खान, मृदंग सातपुते, आरक्षक जीवन,ललित, शैलेन्द्रसिह, सुरेन्द्र पाल सिंह, सोनपाल, रामप्रसाद, मोहित, विष्णु, रणजीत व सायबर सेल रतलाम आरक्षक विपुल भावसार की सराहनीय भुमिका रही है।

गिरफ्तार आरोपी

1. रामप्रसाद पिता धनराज बागरिया कंजर 20 साल निवासी बिजयनगर थाना भिनाय जिला अजमेर राजस्थान,
2. मुरारी पिता गोपाल बागरिया कंजर 19 साल निवासी ग्राम आमली थाना फुलिया कलाँ जिला भीलवाड़ा
3. मंगल पिता रामचन्द्र बागरिया कंजर उम्र 19 साल निवासी ग्राम बावलाखेड़ा थाना गुलाबपुरा जिला भीलवाडा राजस्थान।

अंतरास्ट्रीय मजदूर दिवस पर श्रम संगठनों ने वाहन रैली निकाली

रतलाम।

श्रम संगठनों की संयुक्त तत्वाधान में अंतरास्ट्रीय मजदूर दिवस पर एक वाहन रैली अलकापुरी चौराहे से निकाली गई। रैली के प्रारंभ पर कॉम नरेंद्र जोशी, कॉम चरणसिंह, कॉम राजेश सक्सेना, कॉम एम एल नागावत ने जोरदार नारेबाजी कर रैली को रवाना किया।

रैली चेतक ब्रिज जी पी ओ रोड, लोकेंद्र टॉकीज, जेल रोड कॉलेज रोड होते हुए नगर निगम चौराहे पर एक सभा में परिवर्तित हुई सभा को संबोधित करते हुए इंटक कार्उसिल के भवरसिंह ने कहा कि वर्तमान में सरकार पूर्णतः पूंजीपतियों के इशारे पर दमनकारी नीतियां बना रही है। संगठित हो इसका पुरजोर विरोध जारी रहेगा। आने समय में देश के श्रमिक संघ तीव्र आंदोलन करेंगे।

बैंक एम्प्लाइज संघ के प्रकाश अग्रवाल, केमिकल संघ के लाखनसिंह, पोस्टल एम्प्लाइज यूनियन के आई एल पुरोहित, आंगनवाड़ी संघ अध्यक्ष कृष्णा सोनगरा एम पी एम एस आर यू संघ के अभिषेक जैन , नगर निगम संघ के देवेंद्र पुरोहित ने अपनी बातें प्रभावी ढंग से रखी। सभा को संबोधित करते श्रम संगठनों संयुक्त समिति अध्यक्ष अश्विनी शर्मा ने बताया कि वर्तमान केंद्र सरकार चार लेबर कोड लागू करने जा रही है इसके विरोध स्वरूप आगामी 20 मई को देश के श्रम संगठन अखिल भारतीय हड़ताल पर रहेंगे, यदि मांगे नहीं मानी गई तो आगमी लोकसभा सत्र में सदन का घेराव किया जाएगा, साथ ही आपने बताया कि वर्तमान प्रदेश सरकार के खिलाफ संविदा कर्मियों के वेतन भत्ते एवम् एरियर भुगतान का आदेश श्रमायुक्त ने पारित किया। परन्तु संबंधित कर्मियों को उसका लाभ नहीं मिल रहा इस हेतु भी एक प्रतिनिधि मण्डल जिलाधिकारी से मिलकर इस आदेश को लागू करने की मांग रखेंगे। इस अवसर पर कॉम कीर्ति शर्मा ने मई दिवस का क्रांतिकारी गीत प्रस्तुत किया। साथ वरिष्ठ कॉम एच एन जोशी, कॉम गीतादेवी राठौड़ को श्रम वीर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न श्रम संघों के साथी उपस्थित रहे, सभा का संचालन दुर्गेश सुरोलिया, आभार अविनाश पोरवाल ने व्यक्त किया। रास्ते भर लाल लाल लहराएगा इंकलाब आयेगा, तुम सब देख लो हम सब एक है। कटनी छंटनी बंद करो।। चाहे जो मजबूरी हो मांग हमारी पूरी हो जैसे नारों से मार्ग गुंजायमान था।

संबल योजना अंतर्गत रतलाम के हितग्राहियों को 14 करोड़ रूपए से अधिक की राशि का हितलाभ मिला

रतलाम। मुख्यमंत्री जन कल्याण संबल योजना अंतर्गत राज्य स्तरीय कार्यक्रम से उमरबन जिला धार से माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा संबल हितग्राहियों को अनुग्रह सहायता राशि का हितलाभ वितरण किया गया। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण प्रदेश की समस्त जनपद पंचायत एवं नगरीय निकायों सहित जिला स्तर पर भी एनआईसी कार्यालय में हितग्राहियों को दिखाया गया। योजना के तहत रतलाम जिले के कुल 675 हितग्राहियों को 14 करोड़ 62 लाख रूपए की हितलाभ राशि का सिंगल क्लिक के माध्यम से भुगतान किया गया। इस दौरान रतलाम एनआईसी कक्ष में भाजपा जिला अध्यक्ष श्री प्रदीप उपाध्याय, नगर निगम अध्यक्षा श्रीमती मनीषा शर्मा, कलेक्टर श्री राजेश बाथम, सीईओ जिला पंचायत श्री श्रृंगार श्रीवास्तव, हितग्राहीगण एवं श्रम विभाग के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रवेश दस्तोवजों के सत्यापन हेतु शपथपत्र लिया जाए

रतलाम। कॉलेज में एडमिशन के समय विद्यार्थी कई दस्तावेज प्रस्तुत करते है। प्रवेश के समय विद्यार्थी अंकसूचियों के साथ टीसी, माईग्रेशन, आय प्रमाण पत्र, खेल संबंधी प्रमाण पत्र जमा करते है। इन्हीं दस्तावेजों एवं प्रमाण पत्रों के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। कॉलेज के विधिक सलाहकार एडवोकेट राकेश शर्मा ने नियमों एवं दस्तावेजों की पारदर्शिता को लेकर एक प्रस्ताव दिया है कि, विद्यार्थी से उनके दस्तावेजों एवं प्रमाण पत्र / जमा प्रोजेक्ट पर सत्यापन का शपथ पत्र लिया जाए। रॉयल कॉलेज के प्रशासक प्रफुल्ल उपाध्याय ने बताया कि, कॉलेज प्रबंधन ने इस प्रस्ताव को प्राथमिक तौर पर स्वीकार किया है और आगामी सत्र से विद्यार्थियों से उनके द्वारा जमा दस्तावेजों / प्रोजेक्ट की सत्यापन का शपथपत्र लिया जाएगा।

गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते रतलाम मंडल के रतलाम सहित कुल 11 स्टेशनों पर मटके के शीतल जल की उचित व्यवस्था

रतलाम।

जल ही जीवन है' यह सार्वभौमिक रूप से सत्य है। गर्मी के समय में जल की आवश्यकता और अधिक होती है और उसमें भी यदि जल शीतल हो तो उसकी तो बात ही अलग है। इन्हीं बातों को दृष्टिगत रखते हुए पश्चिम रेलवे का रतलाम मंडल सतर्क है तथा इस संदर्भ में मंडल रेल प्रबंधक के निर्देशन में संबंधित विभागों द्वारा प्लेटफार्मों पर पानी की सुगम उपलब्धता हेतु निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं।

रतलाम मंडल के वाणिज्य विभाग द्वारा यात्रियों को अपने सीट पर ही पीने के लिए शीतल जल उपलब?ध हो इसके लिए विभिन्न सामाजिक संगठनों से संपर्क कर, गैर सरकारी संगठनों एवं अन्य सामाजिक संगठनों द्वारा स्टेशनों पर पानी पिलाने हेतु अनुमति प्रदान की जा रही है । वाणिज्य विभाग द्वारा इस वर्ष अभी तक विभिन्न स्टेशनों पर कुल 14 संस्थाओं/सामाजिक संगठनों/गैर सामाजिक संगठनों को शीतल जल पिलाने हेतु अनुमति प्रदान की गई। वर्तमान में नागदा, मंदसौर एवं रतलाम स्टेशनों पर दो-दो, दलोदा, बडनगर, सीहोर, जावरा, निम्बाहेड़ा, डॉ. अम्बेडकर नगर, पिपलिया एवं उज्जैन रेलवे स्टेशनों पर एक-एक संगठनों को शीतल जल वितरण हेतु अनुमति प्रदान की गई है। शीतल जल के लिए उपरोक्त सभी स्टेशनों पर ट्रॉली से पानी वितरण की सुविधा प्रदान की गई है ताकि यात्रियों को मटके का शीतल जल कोच के पास ही उपलब्ध हो सके।

ऐसे ट्रॉलियों को ऐसे स्थान पर रखने के निर्देश दिये गये हैं जहाँ खानपान के स्टॉल या वॉटर बूथ कोच से दूर हों, जिससे कि यात्रियों को पेयजल प्राप्त करने में असुविधा न हो।

इसके साथ ही स्टेशनों पर उपलब्ध वाटर बूथों पर पानी की उपलब्धता की नियमित रूप से मॉनिटरिंग करने के साथ ही ठंडे पानी के लिए स्टेशनों पर लगाए गए वाटर कूलरों की कार्यशीलता की भी सतत निगरानी की जा रही है।

सभी खान पान स्टॉलों को भी स्टॉल पर पानी की शत-प्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है। गर्मी के मौसम में यात्रियों को पानी की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु रतलाम मंडल द्वारा हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

बाल विवाह से मुक्ति की ओर अग्रसर रतलाम

रतलाम।

बाल विवाह सिर्फ एक गंभीर सामाजिक समस्या नहीं बल्कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम-2006 के अंतर्गत एक अपराध भी है। बाल विवाह अपराध घोषित होने के बाद भी एक वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार विश्व की एक तिहाई बाल दुल्हन भारत में हैं। यह आंकड़े बाल विवाह की गंभीर सामाजिक समस्या प्रकट करते हैं।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम-2006 ह्रुरु ष्ठद्धद्वद्यस्र स्नह्वद्वद्दठ्ठस्रद्य4 रुद्दद्दद्वद्य स्द्गह्य्1द्बष्द्गह्य द्वशह्य् ष्ठद्धद्वद्यस्रह्यद्दठ्ठ स्ष्द्धद्दद्वद्द 2024 के अंतर्गत सदस्य सचिव, म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रतलाम सुश्री नीना आशापुरे के मार्गदर्शन तथा न्यायाधीश/सचिव श्री नीरज पवैया के निर्देशन में जिला विधिक सहायता अधिकारी/नोडल अधिकारी सुश्री पूनम तिवारी, रतलाम द्वारा एक दिवसीय विशेष अभियान हेतु पैरालीगल वालेंटियर्स/न्याय मित्रों की एक टीम गठित की गई। उस टीम एवं प्रशासन द्वारा गठित टीम द्वारा रतलाम जिले के संवेदनशील क्षेत्रों का दौरा किया जाकर बाल विवाह न करने के संबंध में जागरूक किया गया तथा एक बाल विवाह भी रूकवाया गया।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने भी वर्ष 2024 में पारित अपने एक निर्णय में विवाहों को रोकने, पीड़ितों के पुर्नवास और उन्हें समाज में पुनः स्थापित करने के लिये व्यापक दिशा-निर्देश जारी किये हैं। इन निर्देशों के पालन में समाज को बाल विवाह के बालक-बालिकाओं के मानसिक एवं शारीरिक विकास पर पडने वाले दुष्प्रभाव के संबंध में जागरूक किया जाना है। इसके लिए सभी स्टेक होल्डर्स के बीच समन्वय स्थापित कर बाल विवाह रोकथाम कानून को प्रभावी रूप से लागू किया जाना है। प्रशासन एवं जिला प्राधिकरण, रतलाम की टीम में पैरालीगल वालेंटियर्स एवं पैनल अधिवक्ताओं द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से विद्यार्थियों में जागरूकता फैलाई गई। इस अभियान में ग्राम पंचायतों में बाल विवाह न होने देने की शपथ ली गई और उस शपथ को गांवों में चस्पा किया गया। जिससे आमजन भी बाल विवाह रोकने हेतु प्रेरित हों। गांवो के स्वसहायता समूह की दीदीयों द्वारा ग्रामीणजन से चर्चा कर उन्हें समझाईश दी गई।

पुलिस एवं पंचायत विभाग द्वारा 18 वर्ष से कम उम्र की बालिकाओं की जानकारी एकत्र कर उन परिवारों पर विशेष रूप से निगरानी रखी जा रही है। साथ ही बाल विवाह के दुष्परिणामों का आमजन के बीच सघन एवं व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। बाल विवाह की रोकथाम के लिये सूचना दल एवं कंट्रोल रूम का गठन किया गया है। इस संबंध में अपील है कि आमजन इस कार्य में सहयोग देकर इस सामाजिक कुरीति को दूर करने में अपना योगदान दें।

पत्रकार सुरक्षा कानून तत्काल लागू किया जाए

मजदूर दिवस पर श्रमजीवी पत्रकारों ने रैली निकाल सौंपा ज्ञापन

बड़वानी। अंतर राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ के बैनर के तले बड़वानी जिला इकाई के नेतृत्व में पत्रकारों ने कलेक्ट्रेट में रैली निकाल कर पत्रकारों के हितों के मद्देनजर मुख्यमंत्री के नाम 21 सूत्रीय ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर को सौंपा।

गुरुवार दोपहर मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ के बैनर तले समस्त जिले के पत्रकार कलेक्ट्रेट के मुख्य द्वार पर एकत्रित होकर रैली के रूप में निकले, रैली में पत्रकारों ने पत्रकार एकता जिंदाबाद, आवाज दो हम एक है नारे लगाते हुए, कलेक्टरेट पहुंचे। जहां मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष नरेंद्र तिवारी ने भूमिका रखते हुए डिप्टी कलेक्टर शक्ति सिंह चौहान को मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ की भूमिका से अवगत कराया। उसके बाद जिला महासचिव कपिलेश शर्मा ने प्रदेश के पत्रकारों के हितार्थ विभिन्न मांगों को लेकर 21 सूत्रीय ज्ञापन का वाचन किया गया।

पत्रकार सुरक्षा कानून तत्काल लागू हो -

ज्ञापन में मुख्य रूप से पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग की गई। जिला अध्यक्ष नरेंद्र तिवारी व महासचिव कपिलेश शर्मा ने बताया कि मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ

प्रदेश का सबसे वृहद एवं पुराना विश्वसनीय संगठन है। जो लंबे समय से पत्रकारों के हितों के लड़ता रहा है। पत्रकार अपने जीवन को जोखिम डालकर जनहित की कई ऐसी खबरें निकालकर समाज में सामने लाता है, जो समाज को दिशा प्रदान करती है। साथ ही कार्यपालिका को कसावट के साथ कार्य करने पर मजबूर करती है। ऐसे में पत्रकारों की सुरक्षा एवं जीवन यापन एवं उनके परिवार के लिए सरकार को आगे आकर सम्मान के साथ पत्रकारों के हित मे कदम उठाने चाहिए। मजदूर दिवस को श्रमजीवी पत्रकार संघ प्रमुख रूप से पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग करता है। साथ ही पत्रकारों की अधिमान्यता, उनके व उनके परिवार में भरण पोषण में, परिजनों के स्वास्थ्य, शिक्षा में विभिन्न प्रकार की पत्रकारों को सुविधा प्रदान करने, जिला मुख्यालय पर श्रमजीवी पत्रकार संघ के कार्यालय के लिए निरूशुल्क भूमि उपलब्ध कराने, अधिमान्यता संबधित छूट पुनरू प्रदान करने, पत्रकारों के बच्चो को स्कूलों में फीस में 50 प्रतिशत की छूट दी जाए, पत्रकारों को आवास के लिए रियायती दरों पर भूमि उपलब्ध कराई जाए इत्यादि 21 सूत्रीय मांग का ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम से डिप्टी कलेक्टर शक्ति सिंह चौहान को सौंपा।

ये रहे मौजूद -

इस दौरान संघ के रवि चौधरी, सचिन राठौर, आदित्य शर्मा, प्रवीण सोनी, विजय निकुम, प्रमोद सैनी, राजेश शर्मा, संजय बामनिया, कुंदन पंवार, अंतिम राठौर, लखन दावदे, इम्तियाज खान, अमजद मंसूरी, इंदर सिंह परमार, सचिन शर्मा सहित बड़ी संख्या में पत्रकार साथी उपस्थित थे।

बड़वानी से 147 हज यात्री करेंगे मुकद्दस सफर

बड़वानी। इस्लाम धर्म के पांचवें स्तंभ हज की पुण्य यात्रा के लिए जिले से इस वर्ष कुल 147 हज यात्री पवित्र मदीना और मक्का की ओर रवाना हो रहे हैं। इन यात्रियों शहर से करीब 27 हाजी शामिल हैं। यह सभी यात्री पवित्र अरकाने हज की अदायगी कर देश और समाज की खुशहाली, अमन, चैन और तरक्की के लिए दुआ करेंगे। 1 मई की शाम हाजियों का पहला काफ्तिा बड़वानी से मुंबई के लिए रवाना होगा। चार अलग-अलग शिफ्टों में हाजी मुंबई पहुंचेंगे। जहां से वे अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से सऊदी अरब की ओर प्रस्थान करेंगे।

मंसूरी दंपत्ति को मिला सभी वर्गों का स्नेह -

समाजसेवी, वरिष्ठ पत्रकार और सेवानिवृत्त बैंक कर्मी अब्दुल अज़ीज़ मंसूरी अपनी धर्मपत्नी श्रीमती रजिया मंसूरी के साथ 3 मई को मुंबई से मदीना रवाना होंगे। बुधवार को हाजी दंपत्ति का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी असद खान और श्रीमती सुनीता खान ने उन्हें गुलदस्ते भेंट किए। इस अवसर पर हिंदू, मुस्लिम सहित सभी वर्गों के लोगों ने हाजियों को विदाई दी। हज यात्रा एक आध्यात्मिक अनुभव है और बड़वानी से रवाना हो रहे सभी यात्री, मुल्क हिंदुस्तान के लिए दुआ करते हुए यह पवित्र फर्ज अदा करेंगे।

श्री शेख का साथियों ने किया जोरदार स्वागत -

वहीं दूसरी ओर हज यात्रा पर जा रहे शहर निवासी मोहसीन अहमद शेख पप्पा चाचा ठेकेदार का उनके साथियों द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। इस मौके पर सभी साथी अपने एक मित्र के प्रतिष्ठान पर एकत्रित हुए और पुष्पहार तथा मुहं मिठा कराकर श्री शेख को शुभकामनाएं दी। इस मौके पर कृष्णा राठौर, कैलाश शर्मा, बसंत सूर्यवंशी, ओम गुप्ता, हरी माली एवं सईद कुरेशी उपस्थित थे।

किरायेदार व बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन की सख्ती

बड़वानी। पुलिस अधीक्षक जगदीश डावर के निर्देशानुसार बड़वानी जिले में किरायेदारों, घरेलू सहायकों एवं बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है।

1 मई 2025 को सेंधवा शहर पुलिस ने थाना मोबाइल के पीए सिस्टम के माध्यम से पूरे कस्बे में मुनादी कर आम जनता को जागरूक किया। मकान मालिकों से अपील की गई कि वे अपने घरों में रह रहे किरायेदारों, नौकरों व अन्य बाहरी व्यक्तियों की जानकारी निर्धारित प्रोफार्मा में भरकर आवश्यक दस्तावेजों सहित थाना सेंधवा शहर में 3 दिनों के भीतर जमा करें।

पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि निर्धारित समय सीमा में जानकारी नहीं देने वालों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। कुछ क्षेत्रों में आकस्मिक जांच भी की गई और मकान मालिकों को सत्यापन फॉर्म भी वितरित किए गए। यह अभियान जिले की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए चलाया जा रहा है, ताकि किसी भी आपराधिक गतिविधि पर समय रहते अंकुश लगाया जा सके।

होटल, लॉज, धर्मशालाओं में पुलिस की सघन चेकिंग

बड़वानी। थाना ग्रामीण पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए होटल, लॉज, धर्मशालाओं और डेरों में ठहरे व कार्यरत व्यक्तियों की गहन जांच शुरू की है। पुलिस अधीक्षक जगदीश डावर द्वारा आयोजित मासिक समीक्षा बैठक में सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया था कि वे अपने-अपने क्षेत्र में स्थित सभी होटल, लॉज, धर्मशालाओं एवं डेरों में निवासरत या कार्यरत व्यक्तियों की जानकारी एकत्रित करें और उनके पहचान दस्तावेजों की तस्दीक सुनिश्चित करें। आदेश के पालन में थाना ग्रामीण प्रभारी निरीक्षक दिलीप कुमार पूरी द्वारा तीन विशेष टीमों का गठन किया गया। जिन्होंने थाना क्षेत्र के समस्त होटलों, धर्मशालाओं व डेरों की बारीकी से चेकिंग की। इस कार्रवाई के दौरान प्रत्येक होटल/लॉज में कार्यरत स्टॉफकी जानकारी ली गई। ठहरे हुए व्यक्तियों के नाम, पते और पहचान पत्रों की जांच की गई। संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी गई। किरायेदार सत्यापन अभियान भी समानांतर रूप से जारी है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई नियमित रूप से जारी रहेगी और किसी भी संदिग्ध या बिना जानकारी के निवासरत व्यक्ति के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

बड़वानी पुलिस की सराहनीय उपलब्धि

ऑपरेशन मुस्कान के तहत मिली बड़ी सफलता

बड़वानी। पुलिस अधीक्षक जगदीश डावर के कुशल नेतृत्व और दिशा-निर्देश में बड़वानी पुलिस ने एक महत्वपूर्ण कार्रवाई को अंजाम देते हुए एक गुमशुदा/अपहृत नाबालिग बालिका को गुजरात से दस्तयाब करने में सफलता प्राप्त की है।

पुलिस अधीक्षक जगदीश डावर द्वारा जिले के सभी थाना प्रभारियों को गुमशुदा व अपहृत बच्चों की शीघ्र तलाश के लिए निर्देशित किया गया है। निर्देशों के पालन में एसडीओपी दिनेशसिंह चौहान के मार्गदर्शन में थाना ठीकरी द्वारा 19 अप्रैल 2025 को दर्ज प्रकरण में गंभीरता से कार्रवाई

की गई।

मामले में परियादी की नाबालिग पुत्री को एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर भगाए जाने की रिपोर्ट दर्ज थी। प्रारंभिक प्रयासों में कोई विशेष सफलता नहीं मिली, लेकिन वर्तमान थाना प्रभारी निरीक्षक ओपी सिंह चौंगडे ने एक विशेष टीम गठित कर साइबर सेल के तकनीकी सहयोग व आसूचना संकलन की मदद से गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले में संभावित ठिकानों पर सघन तलाशी अभियान चलाया। जिसके तहत 30 अप्रैल को अपहृत बालिका को दस्तयाब कर लिया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा टीम को 2000 का नकद पुरस्कार घोषित किया गया।

उक्त कार्रवाई में ठीकरी थाना से निरीक्षक ओपी सिंह चौंगडे, उप निरीक्षक माया अलावा, प्रधान आरक्षक सुमित मीणा, आरक्षक दिनेश बुदेला, महिला आरक्षक दीपिका मंडलोई, साइबर सेल टीम, उप निरीक्षक रितेश खत्री, प्रधान आरक्षक योगेश पाटिल, आरक्षक अरुण मुजाल्दा की सराहनीय भूमिका रही।

मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना वर्ष 2025-26 की प्रथम किश्त का वितरण किया

खेतिया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने धार जिले के उमरबन में मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना वर्ष 2025-26 की प्रथम किश्त का वितरण किया। इस योजना के तहत हितग्राहियों को वर्ष में 6 हजार रूपए की राशि तीन समान किश्तों में प्रदान की जाती है। आपने पानसेमल एसडीएम कार्यालय के वीसी हॉल में इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा। इस अवसर जनपद पंचायत

अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं जिलामहामंत्री विनोद वसावे, तहसीलदार सुनिल सिसोदिया, नायब तहसीलदार रंधाडे, दिनेश जाधव, ईश्वर पवार पटवारी, सुनिल तरोले भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना मध्य प्रदेश के लाखों किसानों की सहायता के लिए राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही एक महत्वपूर्ण योजना है। इसके तहत किसानों को डीबीटी के माध्यम से हर 4 महीने के अंतराल पर 2-2 हजार रुपये की वित्तीय मदद भेजी जाती है। मध्य प्रदेश के किसान भाईयों को केंद्र सरकार की पीएम किसान सम्मान निधि योजना में 6000 रुपये और राज्य सरकार की मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना में 6000 रुपये मिलते हैं। जिससे साल के कुल 12000 रुपये किसानों के खाते में आते हैं।

आज लगेगा निःशुल्क मोतियाबिंद जांच शिविर

बड़वानी। जिला अस्पताल और चोइथराम नेत्र चिकित्सालय के तत्वावधान में 2 मई को निःशुल्क जांच शिविर आयोजित किया जाएगा। नोडल अधिकारी डॉ विमलेश चोयल ने बताया कि डॉ सुरेखा जमरे और डॉ अनिता सिंगारे के मार्गदर्शन में लगने वाले इस शिविर में मोतियाबिंद और कांचबिंद की निःशुल्क जांच की जाएगी। नेत्र सहायक अनिल राठौड़ ने बताया कि शिविर स्थल पर शुगर और ब्लड प्रेशर की जांच भी की जाएगी। मरीज आधार कार्ड लेकर आए। शिविर सुबह 9.30 से दोपहर 1 बजे तक रहेगा। लायंस क्लब बड़वानी की ओर से मरीज तथा साथ आए एक परिजन के लिए भोजन की निःशुल्क व्यवस्था रहेगी। रविंद्र टेकाम और जय नारायण कुशवाह ने अधिक से अधिक लोगों से शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

तात्कालिक सीएमओ कुशल सिंह डोडवे की मेहनत रंगलाई

बड़वानी को मिला ग्लोबल अवार्ड

बड़वानी। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत नगर में स्वच्छता के लिए किए जा रहे नवाचारी प्रयोगों के अंतर्गत एमएसएमई चेंबर ऑफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज ऑफइण्डिया द्वारा रिसायकलिंग पब्लिक अवेरयरनेस कैम्पियन में उत्कृष्ट कार्य के लिए नगर पालिका परिषद बड़वानी को एमएसएमई ग्लोबल अवार्ड से सम्मानित किया गया है। 28 अप्रैल 2025 को विज्ञान भवन नई दिल्ली में आयोजित भव्य समारोह में निकाय के अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी निकू चौहान और सीएमओ श्रीमती सोनाली शर्मा को प्रशस्ति पत्र और ट्रॉफी से सम्मानित करते हुए एमएसएमई ग्लोबल अवार्ड दिया गया। इस अवसर पर एमएसएमई चेम्बर ऑफ कामर्स ऑफ इण्डिया के चेयरमेन डॉ इन्द्रजीत, घोष एवं अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि नगर

पालिका परिषद बड़वानी द्वारा तात्कालिक सीएमओ कुशल सिंह डोडवे द्वारा अपनी टीम से नगर में जल जागरुकता के कार्यों व अमानक पोलीथीन की जब्ती और वेस्ट पोलिथीन को डोर-टू-डोर कचरा वाहनों संग्रहित कर निकाय ट्रेचिंग ग्राउण्ड पर रिसाइकल कर ब्लाक पेवर तथा प्लास्टिक के गट्टे बनाए जा रहे हैं। जिन्हें इन्दौर की प्लास्टिक इण्डस्ट्रीज को अनुबंध के आधार पर बेचा जा रहा है। भविष्य में निकाय की कार्ययोजना जिला मुख्यालय के आसापास के लगभग 10-15 किमी के दायरे की ग्राम पंचायतों की अमानक पोलीथीन के रिसाईक्लिंग/प्रोसेस किए जाने की है। जिससे सम्पूर्ण क्षेत्र में अमानक पोलीथीन के लिए जनजागरुकता जागृत हो सकेगी।

निकाय की इस उपलब्धि पर पार्षदगणों और कर्मचारियों द्वारा हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी गई।

प्रगति, नीतू स्ट्रांग वुमन, आदित्य, आयन, जसप्रीत, क्रिस्टोफर, जितेंद्र और अशोक बने स्ट्रांग मैन

इंदौर। स्व. अजय राठौर की स्मृति में आयोजित मप्र पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में प्रगति परमार, नीतू जोगी स्ट्रांग वुमन बने। पुरुष में आदित्य माली, आयन सिलावट, जसप्रीत सिंह, क्रिस्टोफर, जितेंद्र सिंह पवार, अशोक सोनी स्ट्रांग मैन बने। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि हवासिंह देवड़ा, समाजसेवी और दीपेंद्र सिंह सोलंकी थे। मुख्य अतिथियों का स्वागत रीतेश विराग, कैलाश सुराणे, सुरेश शर्मा, सोनू पटेल, बागवान, जयेश वर्मा, दिनेश हरीतवाल ने किया। निर्णायक थे गुलाब सिंह भानुआ, उमेश मेड़ा, रोमीत सिंह जबलपुर, बागवान धार, सोनू पटेल, जुबेर कुरैशी सीहोर, जयेश वर्मा। इस प्रतियोगिता के 200 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। धार, झाबुआ, बड़वानी, जबलपुर, ग्वालियर, बुरहानपुर, भोपाल, सीहोर के पावर लिफ्टरों ने भाग लिया। परिणाम इस प्रकार थे- प्रगति परमार, नीतू जोगी वुमन स्ट्रांग बने। पुरुष में स्ट्रांग मैन आदित्य माली, आयन सिलावट, जसप्रीत सिंह, क्रिस्टोफर, जितेंद्र सिंह, अशोक सोनी बने। आभार रीतेश विराग ने किया। संचालन मोहन सिंह राठौर ने माना। संचालन मोहन सिंह राठौर ने किया।

मध्यप्रदेश पराजित

इंदौर। देहरादून में खेली जा रही राजसिंह डुंगरपुर स्मृति सेंट्रल झोन बायज अंडर-14 क्रिकेट स्पर्धा में विदर्भ ने म.प्र. को पहली पारी की बढ़त के आधार पर हरा दिया। विदर्भ ने पहले खेलते हुए 327 रन बनाए। अर्जुन महाजन ने 82, मल्हार मनोज ने 57, अथर्व पटेल ने 45, मानत वाकोड़े ने 40 रन बनाए। प्रिंसकुमार ने 4 व वीर पांडे को 2 विकेट मिले।

आरबीसीएफ ए ग्रेड क्रिकेट स्पर्धा

आदिल अली की घातक गेंदबाजी से देज्ज एकेडमी जीता

इंदौर। आईडीसीए के तत्वावधान मे आरबीसीएफ द्वारा आयोजित आरबीसीएफ ए ग्रेड क्रिकेट स्पर्धा के अंतर्गत आज विजय क्लब एवं राठ क्लब के मध्य मैच खेला गया जिसमें विजय क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 45 ओवरो में 349 रनों का विशाल स्कोर खडा किया । जिसमें निशांत सिंह ने 106 रन, तन्मय पत्की ने 85 रन एवं आयुष निगम ने 78 रन बनाये । संदीप चौधरी ने घातक गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट लिये । जवाब में राठ क्लब की टीम 27 ओवरो में 121 रन ही बना पाई और यह मैच 228 रनों के विशाल अंतर से हार गई । वैदिक वाणी ने हैट्रीक लेते हुए 3 विकेट एवं पार्थ गवली ने 3 विकेट हासिल किये ।

संभागीय खेलकूद प्रतियोगिता में ध्रुवी व वेदिका ने स्वर्ण तथा आरोही ने जीता कांस्य पदक

इन्दौर (इं)। 54वीं केवीएस संभागीय खेलकूद प्रतियोगिता में इंदौर ताइक्वांडो क्लब के तीन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक अर्जित किए। ग्वालियर में खेली गई इस प्रतियोगिता में ध्रुवी यादव ने 52 किलो वर्ग में और वेदिका पाटिल ने 49 किलो वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया है। वहीं आरोही मरमट ने 35 किलो वर्ग में कांस्य पदक प्राप्त किया। स्वर्ण पदक प्राप्त खिलाड़ी बेंगलूरु में होने वाली राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में भाग लेंगे। खिलाड़ियों की उपलब्धि पर कोच विकास सिसमैया ने उन्हें बधाई शुभकामनाएं देते उनकी हौसला अफजाई की।

राज्य वुशू चैम्पियनशिप के लिए इन्दौर टीम घोषित

इन्दौर (ईएमएस) 24वीं मध्यप्रदेश राज्य वुशू चैंपियनशिप के लिए इंदौर के खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया रेखा नायर, शेखर पटवा और वुशू एसोसिएशन इंदौर के सचिव इंद्रदेव शर्मा की उपस्थिति में हुई। संचालन सुधांशु निंबालकर ने किया। जबलपुर में आयोजित होने वाली इस चैम्पियनशिप हेतु चयनित खिलाड़ियों में सब जूनियर वर्ग में आराध्या एम, अनाया सोनी, आदित्य सिंह भाटिया, अथर्व जोशी, आरव जैन, तविश चौबे, भावेश कुमावत, प्रांजल रावतले, श्रवण शर्मा, वीर प्रताप सिंह, श्रेयांश साहू, ओजस शर्मा, सार्थक मालवीय।

राजस्थान IPL की प्लेऑफ रेस से बाहर

मुंबई ने 100 रन से हराया, लगातार छठा मैच जीतकर पॉइंट्स टेबल के टॉप पर आई

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स बुधवार के मौजूदा सीजन के प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई है। टीम को मुंबई इंडियंस ने 100 रनों के बड़े अंतर से हराया। यह मुंबई की लगातार छठी जीत है।

इस जीत के सहारे मुंबई की टीम पॉइंट्स टेबल के टॉप पर आ गई है। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। मुंबई ने 20 ओवर में दो विकेट पर 217 रन बनाए। 218 रन का टारगेट चेज कर रही राजस्थान की टीम 16.1 ओवर में 117 रन पर ऑलआउट हो गई। ट्रेंट बोल्ट और कर्ण शर्मा ने 3-3 विकेट झटके। जसप्रीत बुमराह को 2-2 विकेट मिले। राजस्थान का कोई भी बल्लेबाज 30 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सका। मुंबई की ओर से सूर्यकुमार यादव और कप्तान हार्दिक पंड्या 48-48 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों ने नाबाद 94 रनों की साझेदारी की। ओपनर रायन रिकेलटन ने 61 रन और रोहित शर्मा ने 53 रन की अर्धशतकीय पारियां खेलीं। रियान पराग और महीश तीक्षणा को एक-एक विकेट मिला। राजस्थान रॉयल्स- रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, नीतीश राणा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, जोफ्रा आर्चर, महीश तीक्षणा, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, और फजलहक फारुकी। मुंबई इंडियंस- हार्दिक पंड्या (कप्तान), रायन रिकेलटन (विकेटकीपर), रोहित शर्मा, विल जैक्स, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, नमन धीर, कॉर्बिन बॉश, दीपक चाहर, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह।

17वां ओवर डाल रहे ट्रेंट बोल्ट ने पहली बॉल पर जोफ्रा आर्चर (30 रन) का विकेट लिया। इसी के साथ मुंबई ने मुकाबले को 100 रन से जीत लिया है और राजस्थान प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई है। 12वें ओवर की पहली बॉल पर राजस्थान ने 8वां विकेट गंवाया। यहां महीश तीक्षणा 2 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें कर्ण शर्मा ने सूर्यकुमार यादव के हाथों कैच कराया। ओवर की 5वीं बॉल पर कर्ण ने कुमार कार्तिकेय को दीपक चाहर के हाथों कैच कराया।

आईपीएल अंक तालिका में मुंबई इंडियंस शीर्ष पर

टीम	खेले	जीते	हारे	बेनतीजा	अंकनेट रन रेट
मुंबई इंडियंस	11	7	4	0	14 +1.274
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	10	7	3	0	14 +0.521
पंजाब किंग्स	10	6	3	1	13 +0.199
गुजरात टाइटंस	9	6	3	0	12 +0.748
दिल्ली कैपिटल्स	10	6	4	0	12 +0.362
लखनऊ सुपर जायंट्स	10	5	5	0	10 -0.325
कोलकाता नाइट राइडर्स	10	4	5	1	9 +0.080
राजस्थान रॉयल्स	11	3	8	0	6 -0.780
सनराइजर्स हैदराबाद	9	3	6	0	6 -1.103
चेन्नई सुपर किंग्स	10	2	8	0	4 -1.211

भोपाल, इंदौर, चंबल, रीवा और ग्वालियर की टीमें जीतीं

इंदौर। भोपाल, इंदौर, चंबल, रीवा और ग्वालियर की टीमों ने अंडर-22 अंतर संभागीय क्रिकेट चैंपियनशिप में अपने मुकाबले जीत लिए। पहले मैच में भोपाल ने उज्जैन को 5 विकेट से हराया। उज्जैन ने पहले खेलते हुए 177 रन बनाए। अभियुग प्रजापति ने 32, ऋषि सारडा ने 25 रन बनाए। पृथ्वी तोमर ने 3, तन्मय पाण्डे, प्रारब्ध मिश्रा, शिवांश चतुर्वेदी ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में भोपाल ने 26 ओवर में 5 विकेट पर 179 रन बना मैच जीत लिया। प्रारब्ध मिश्रा ने नाबाद 70 रन बनाए। पृथ्वी तोमर ने 69 रन बनाए। ईशान अफरीदी व दीपेंद्र ठाकुर ने 2-2 विकेट लिए।

दूसरे मैच में इंदौर ने शहडोल को 16 रन से हराया। इंदौर की टीम 49.3 ओवर में 265 रन पर आउट हो गई। सोहम पटवर्धन ने 43, अन्वेश चावला ने 48 रन बनाए। यश पाटीदार, प्रयाग चतुर्वेदी ने 3-3 विकेट लिए। जवाब में शहडोल की टीम 48.4 ओवर में 249 पर आउट हो गई। सज्जाद अंसारी ने 59, कुमार आर्यन ने 45, यश पाटीदार ने 34 रन बनाए। अन्वेश चावला ने 3, ईशान चौधरी व आयम वर्मा ने 2-2 विकेट लिए। तीसरे मैच में चंबल ने जबलपुर को 11 रन से हराया। चंबल ने पहले खेलते हुए 50 ओवर में 8 विकेट पर 281 रन बनाए। सोमू सिकरवार ने 124, मनल चौहान ने 64 रन, जय गुर्जर ने 34 रन बनाए। मंगेश यादव ने 4 विकेट लिए। जवाब में जबलपुर 44.3 ओवर में 270 रन पर आउट हो गई। शुभांक पांडे ने 79, मंगेश यादव ने 86 रन बनाए। रोहित राजावत ने 4, विष्णु भारद्वाज ने 3, आर्यन थापा ने 2 विकेट लिए। चौथे मैच में रीवा ने 7 विकेट पर 354 रन बनाए। अनंत वर्मा ने नाबाद 120, आर्यन तिवारी ने 66, हर्षित दुबे ने 56 रन बनाए। सागर की टीम ने 329 रन बनाए। अर्पित खरे ने 106, पाण्डे ने 57, अवधेश राजपूत ने 53, अक्षत रघुवंशी ने 52 रन बनाए। अनंत दुबे व आयुष शुक्ला को 3-3, सौम्य पाण्डे को 2 विकेट मिले। अंतिम मैच में ग्वालियर ने नर्मदापुरम को 9 विकेट से हराया। नर्मदापुरम की टीम 153 रन पर आउट हो गई। माधव शर्मा ने 31, आर्यन देशमुख ने 28 रन बनाए। गिरांज शर्मा ने 4, अक्षय शर्मा व यतेंद्र प्रजापति ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में ग्वालियर ने 16.3 ओवर में 1 विकेट पर 154 रन बनाकर मैच जीत लिया। पार्थ चौधरी ने 84, अभिषेक राठौर ने नाबाद 41 रन बनाए।

नेशनल स्पोर्ट्स फेस्ट का आयोजन

इन्दौर (ई)। आइकान एजुकेशन सोसायटी के चेयरमेन कांतिलाल बम, इंदौर इंस्टीट्यूट आफ ला के अध्यक्ष डा. अक्षय कांति बम, रुप निदेशक इन्दौर इंस्टीट्यूट आफ ला प्रो. डा. मनप्रीत कौर राजपाल के आतिथ्य में इंदौर इंस्टीट्यूट आफ ला में दो दिवसीय नेशनल स्पोर्ट्स फेस्ट वाइब्रेंट 2के 25 चेप्टर-6 का भव्य शुभारंभ हुआ। आयोजन में शहर भर के विभिन्न संस्थानों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। उद्घाटन समारोह का शुभारंभ डा. सुधीरा चंदेल द्वारा मशाल प्रज्ज्वलित कर किया गया। आयोजन के प्रथम दिवस में अंतर महाविद्यालय गली क्रिकेट एवं फुटबाल मैच हुए। अगले दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। रंगारंग प्रस्तुतियों ने विद्यार्थियों में जोश और उत्साह भरा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपूर्व दुबे ने कहा कि खेल हमारे व्यक्तित्व को संवारने के साथ टीम भावना और अनुशासन भी सिखाते हैं। विभिन्न स्पर्धाओं के विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। सफल खिलाड़ियों को 2,00,000 रुपये के पुरस्कार भी दिए गए।

आल इंडिया राष्ट्रीय कराते स्पर्धा में रतलाम को स्वर्णिम सफलता

इंदौर। भारतीय कराते संघ के सानिध्य में एवं उत्तराखंड कराते एसोसिएशन के तत्वाधान में ऋषिकेश में दिनांक 27 अप्रैल को इंडियन मिलिट्री अकादमी के कोच राजेंद्र गुप्ता द्वारा आयोजित होने वाले 13वे आल इंडिया राष्ट्रीय कराते स्पर्धा के लिए रतलाम जिले के विभिन्न स्कूल से कराते खिलाड़ियों का चयन एलेट स्पोर्ट्स द्वारा ट्रेडीशनल शोटोकान मध्यप्रदेश संघ टीम में किया गया था । ये सभी खिलाड़ी मध्यप्रदेश को गौरवांवित करने हेतु स्पर्धा में उतर चुके थे । एवं इन्होंने होनहार प्रदर्शन कर विजय हासिल की । विजेता खिलाड़ियों के नाम इस प्रकार है । रतलाम से चयन भाटी कांस्य पदक, माही बाली कांस्य पदक ,आर्यन बाली कांस्य पदक , अभिषेक चौहान , लक्की पारोचे कांस्य पदक, हर्षिता बाली एवं इंदौर से शौर्य चावड़ा स्वर्ण पदक ,शुभ गांधी रजत पदक , साक्षी लोधी रजत पदक, रचित खोत एवं भोपाल से माही धर्मेंद्र धारू स्वर्ण पदक अश्विन राठौर रजत पदक विजेता रहे है । टीम के मुख्य कोच फिप्थ डान ब्लैक बेल्ट अमय लश्करी थे एवं मैनेजर कमल बाली थे । विजेता खिलाड़ियों को एलेट स्पोर्ट्स अकादमी के फाउंडर महेश लश्करी एवं ट्रेडीशनल शोतोकान मध्यप्रदेश संघ की अध्यक्ष मीनू गौर ने बधाई दी । आभार दिव्या चौहान ने माना ।

मध्य प्रदेश की आन्या दोहरे खिताब के करीब

-आल इंडिया टेलेंट सीरीज डेली कालेज ओपन टेनिस टूर्नामेंट

इंदौर = मध्य प्रदेश की राष्ट्रीय खिलाड़ी आन्या राठी ने प्रदेश की चुनौती को आगे बढ़ाते हुए दो वर्गों के फाइनल में प्रवेश किया। शहर में आयोजित आल इंडिया टेलेंट सीरीज डेली कालेज ओपन टेनिस टूर्नामेंट में बालिका एकल के साथ ही युगल के भी फाइनल में अपनी जगह बनाई।

स्पर्धा समन्वयक और भारतीय जूनियर डेविस कप टीम के कोच साजिद लोदी ने बताया कि इस टूर्नामेंट में अंडर-12 आयु वर्ग में बालक और बालिकाओं के मुकाबले हो रहे हैं। स्पर्धा में गुरुवार को बालिका एकल सेमीफाइनल मुकाबले एकतरफा रहे। मध्य प्रदेश की आन्या राठी का सामना अपने ही राज्य की सानवी पाहवा से था। सानवी ने सेमीफाइनल तक के सफर में प्रभावी प्रदर्शन किया था, लेकिन वे अपनी यह लय सेमीफाइनल में कायम नहीं रख सकीं। आन्या ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए यह मुकाबला बेहद आसानी से 6-0, 6-0 से जीता। पहले सेट में आन्या ने विपक्षी खिलाड़ी को कोई अंक बनाने नहीं दिया जबकि दूसरे सेट में भी

कहानी ऐसी ही रही। अब उनका सामना महाराष्ट्र की प्रज्ञा जैन से होगा। प्रज्ञा ने एक अन्य सेमीफाइनल में मध्य प्रदेश की ऐश्वी जैन को 6-1, 6-0 से पराजित किया। प्रज्ञा के सामने ऐश्वी ने पहले सेट में एक गेम जीता, लेकिन दूसरे सेट में वे खाली हाथ रहीं। बालक एकल फाइनल में मध्य प्रदेश के गर्व मालपानी का सामना महाराष्ट्र के समन्यु जैन से होगा। गर्व ने अपना जोरदार फार्म जारी रखते हुए मध्य प्रदेश के ही नैतिक जैन को 6-1, 6-0 से पराजित किया। दूसरा सेमीफाइनल मैच काटे का रहा, जिसमें महाराष्ट्र के समन्यु जैन को मध्य प्रदेश के वियान अग्रवाल के खिलाड़ी जीत के लिए पसीना बहाना पड़ा। समन्यु ने यह मुकाबला 6-4, 6-4 से जीता। दोनों ही सेट में वियान ने महाराष्ट्र के खिलाड़ी को कड़ी टक्कर दी। ऐसा लग रहा था कि वियान सेट जीत सकते हैं, लेकिन निर्णायक मौकों पर उन्होंने अंक गंवा दिए। जिससे मैच उनके हाथ से फिसल गया।बालिका युगल सेमीफाइनल में मध्य प्रदेश की आन्या और ऐश्वी की जोड़ी ने जोरदार जीत के साथ फाइनल में कदम रखा। आन्या और ऐश्वी की जोड़ी का सामना मध्य प्रदेश की ही अनाया और सानवी की जोड़ी से था। चारों ही खिलाड़ी मध्य प्रदेश की होने से एक-दूसरे के खेल से वाकिफ थीं। ऐसे में आन्या और ऐश्वी ने प्रभावी प्रदर्शन करते हुए मुकाबला 6-0, 6-2 से अपने नाम किया। पहला सेट जीतने के बाद दूसरे सेट में आन्या और ऐश्वी को अनाया और सानवी की जोड़ी से कुछ टक्कर मिली। मगर मैच जीतने के लिए यह प्रयास नाकाफी रहे। दूसरे सेमीफाइनल में मध्य प्रदेश की आशना और महाराष्ट्र की अलीशा की टक्कर महाराष्ट्र की ही प्रज्ञा और मध्य प्रदेश की दिवेना की जोड़ी से थी।

डेली कॉलेज ने ऑल इंडिया आईपीएससी शूटिंग चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया

इंदौर। 20वीं बालक एवं 17वीं बालिका ऑल इंडिया आईपीएससी शूटिंग चैम्पियनशिप 2025 का आयोजन डेली कॉलेज, इंदौर द्वारा 26 अप्रैल से 1 मई 2025 तक किया गया। इस चैम्पियनशिप में देशभर के 24 विद्यालयों से 340 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि मेजर जनरल खालिद जकी, कमांडर, आर्मी वार कॉलेज, महू रहे। उन्होंने विजेताओं को पदक और ट्रॉफी प्रदान की।

व्यक्तिगत स्कोर

क्रम	प्रतिस्पर्धा	प्रतिभागी / विद्यालय
S01	177 पीप साइट एयर राइफल अंडर-17 बालक	यश पांडे, ईएचआईएस, इंदौर
S02	177 पीप साइट एयर राइफल अंडर-14 बालक	हेमवर्धन शेखावत, मेयो कॉलेज, अजमेर
S03	177 ओपन साइट एयर राइफल अंडर-17 बालक	दक्ष दिव्य सिंह झाला, ईएचआईएस, इंदौर
S04	177 ओपन साइट एयर राइफल अंडर-14 बालक	देव दिव्य सिंह जाडेजा, डेली कॉलेज, इंदौर
S05	177 एयर पिस्टल अंडर-17 बालक	अथर्व सिंह कंवर, डेली कॉलेज, इंदौर
S06	177 एयर पिस्टल अंडर-14 बालक	शिवम कपासिया, डेली कॉलेज, इंदौर
S07	177 पीप साइट एयर राइफल अंडर-17 बालिका	अहाना गुंजय, एचपीएस, बेगमपेट
S08	177 पीप साइट एयर राइफल अंडर-14 बालिका	त्विषा कुमारी सिंह, डेली कॉलेज, इंदौर
S09	177 ओपन साइट एयर राइफल अंडर-17 बालिका	यशस्वी जोधर, आरकेकेजीपीएस, जोधपुर
S10	177 ओपन साइट एयर राइफल अंडर-14 बालिका	रक्षित आर, आरकेकेजीपीएस, जोधपुर
S11	177 एयर पिस्टल अंडर-17 बालिका	विधि, डेली कॉलेज, इंदौर
S12	.177 एयर पिस्टल अंडर-14 बालिका	उर्वशी राठौर, आरकेकेजीपीएस, जोधपुर

टीम स्कोर

S01	177 पीप साइट एयर राइफल अंडर-17 बालक	ईएचआईएस, इंदौर
S 02	177 पीप साइट एयर राइफल अंडर-14 बालक	ईएचआईएस, इंदौर
S03	177 ओपन साइट एयर राइफल अंडर-17 बालक	डेली कॉलेज, इंदौर
S04	177 ओपन साइट एयर राइफल अंडर-14 बालक	डेली कॉलेज, इंदौर
S05	177 एयर पिस्टल अंडर-17 बालक	द दून स्कूल, देहरादून
S06	177 एयर पिस्टल अंडर-14 बालक	डेली कॉलेज, इंदौर
S07	177 पीप साइट एयर राइफल अंडर-17 बालिका	एमसीजीएस, अजमेर
S08	177 पीप साइट एयर राइफल अंडर-14 बालिका	डेली कॉलेज, इंदौर
S09	177 ओपन साइट एयर राइफल अंडर-17 बालिका	आरकेकेजीपीएस, जोधपुर
S10	177 ओपन साइट एयर राइफल अंडर-14 बालिका	आरकेकेजीपीएस, जोधपुर
S11	177 एयर पिस्टल अंडर-17 बालिका	डेली कॉलेज, इंदौर
S12	177 एयर पिस्टल अंडर-14 बालिका	डेली कॉलेज, इंदौर

इस चैम्पियनशिप में भाग लेने वाले विद्यालयों की सूची इस प्रकार है - बी.के. बिड़ला सेंटर फॉर एजुकेशन, पुणे; डीपीएस आरकेपुरम, नई दिल्ली; एमरल्ड हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल, इंदौर; जेनेसिस ग्लोबल स्कूल, नोएडा; कित्तूर रानी चन्नम्मा रेजिडेंशियल सैनिक स्कूल फॉर गर्ल्स, कित्तूर; लॉरेंस स्कूल, सनावर; मेयो कॉलेज, अजमेर; मेयो गर्ल्स कॉलेज, अजमेर; महारानी गायत्री देवी गर्ल्स स्कूल, जयपुर; मॉडर्न स्कूल, बाराखंभा रोड; पाइनग्रोव स्कूल; राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून; राजकुमार कॉलेज, रायपुर; राजमाता कृष्णा कुमारी गर्ल्स पब्लिक स्कूल, जोधपुर; राष्ट्रीय सैनिक स्कूल, अजमेर; राष्ट्रीय सैनिक स्कूल, धौलपुर; द दून स्कूल, देहरादून; हैदराबाद पब्लिक स्कूल, बेगमपेट; पंजाब पब्लिक स्कूल, नाभा; राजकुमार कॉलेज, राजकोट; सिंधिया स्कूल, ग्वालियर; वेल्हम गर्ल्स स्कूल, देहरादून; यादवेंद्र पब्लिक स्कूल, मोहाली, यादवेंद्र पब्लिक स्कूल, पटियाला एवं मेजबान डेली कॉलेज, इंदौर।

डॉ महेन्द्र अग्रवाल
सदर बाजार शिवपुरी म.प्र
मो.9425766485

राग दरबारी

चीता और नेताजी

विदेश की धरती से ससम्मान लाये गये चीते के पिंजरे का द्वार खुलते ही रिहाई की खुशी बताने जैसे ही कुलांचे भरने को हुआ वैसे ही उसे आजाद करने वाले नेताजी ने अहसान जताने की मंशा से ज़ोर की आवाज लगाई-कैसे हो मित्र रास्ते में कोई परेशानी तो नहीं हुई।

भागने को तत्पर चीते ने ध्वनि की दिशा में सिर घुमाकर देखा और अपने बिरादर की शकल देखते ही आनंद से झूम उठा। प्रफुल्लित स्वर में बोला -अरे कृपानिधान आप यहां मुझे तो ज्ञात ही नहीं था कि आपसे आज यूं भेंट होगी।और अब तो मेरी रिहाई में आपके लंबे हाथ हैं ये जानकर खुशी दुगुनी हो गई है।

नेताजी ने उसकी सद्गति वाली भावनाओं को अंतर्मन से स्वीकार करते हुए पशुमित्र के नए अवतार में आते हुए कहा-भारत की पुण्य धरा पर तुम्हारा स्वागत है मित्र। स्वच्छंद आहार-विहार की समान वृत्तियों के कारण हम नैसर्गिक मित्र हैं इसलिए एक दूसरे का ध्यान रखना हमारा फर्ज है। तुम्हें अभ्यारण में स्वतंत्र विचरण करते देख हमें भी अपने राजनीतिक अभ्यारण में सुखद अनुभूति होगी।यहां पर्याप्त भोजन है हवा धूप पानी है।तुम्हें किसी तरह की परेशानी नहीं होगी।और तनिक भी हो तो हमसे कहना।हम सबके काम आते हैं तो क्या समानधर्मी मित्र के काम न आयेंगे।

नवागत चीते ने अपरिचित नेताजी को आंखें सिकोड़कर पुनः गौर से देखा और उनकी आंखों में आंखें डालकर बोला-मुझे यहां लाने के पीछे तुम्हारा अपना कोई स्वार्थ तो नहीं है नझ्र

कदापि नहीं !नेताजी शीघ्र बोले ।जैसे उत्तर में विलंब करने से मित्र चीता नाराज हो जायेगा।यहां आकर तुम्हारी वंश वृद्धि हो।तुम्हारा परिवार फले फूले हमें प्रेरणा देता रहे और क्या चाहिये उन्होंने बिना पूछे उसे यह भी बताया कि तुम्हारे लिए जंगल में एक वातानुकूलित कुटी और स्विमिंग पूल भी है। तुम बेरोकटोक हमारे क़ाफ़िले की तरह जहां चाहो उधर जा सकते हो।कोई बाधा नहीं आयेगी। जिसका चाहो उसका भक्षण कर सकते हो। हमारा बस चले तो हम पूरे शहर को तुम्हारे लिए अभ्यारण में बदल दें।लेकिन इसमें थोड़ा समय लगेगा। यहां जनसंख्या कुछ अधिक है।यह सुनकर चीते ने नेताजी को आभार व्यक्त करने वाली नजरों से देखा और सिर घुमाकर पिंजरे से दूर होने की नीयत से आगे बढ़ गया।

चीते की ओर से ध्यान हटते ही मौके़ पर मौजूद पत्रकार नेताजी के पीछे पड़ गये।उनके घिसे पिटे प्रश्नों का उत्तर देते हुए नेताजी ने कहा कि बरसों बाद चीते भारत की धरती पर लौटे हैं।यह समाज के सजग प्रहरी हैं।हमारे पारम्परिक मूल्यों के प्रतिनिधि हैं।हमें इनसे बहुत कुछ सीखने की ज़रूरत है।

फिर नेताजी ने कुछ सीखने के उद्देश्य से आगे बढ़ते हुए चीते को शिकार करते देखा और नई योजना बनाते अपने सरकारी आवास की ओर चल दिये।

4 लाख कर्मचारियों को मिलेगा प्रमोशन

मोहन यादव सरकार का फार्मूला तैयार

इस साल मिलेगा एक प्रमोशन का लाभ

इंदौर। मप्र में कर्मचारी-अधिकारियों की पदोन्नति का रास्ता जल्द ही खुलने जा रहा है। प्रदेश सरकार ने कर्मचारी-अधिकारियों की पदोन्नति को लेकर ड्राफ्ट तैयार कर लिया है। इसका मसौदा तैयार करके जल्द ही इसे विधि विभाग की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। मंजूरी मिलने के बाद इसे कैबिनेट में रखा जाएगा।

बताया जा रहा है कि प्रदेश के 4 लाख से ज्यादा कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ तो मिलेगा, लेकिन वेतन बढ़ोत्तरी का लाभ नहीं मिल सकेगा, क्योंकि यह पहले से ही उच्च पद का वेतन प्राप्त कर रहे हैं। हालांकि ऐसे कर्मचारी जिनकी सेवाएं 10 साल से ज्यादा हो चुकी हैं, उन्हें पदोन्नति के साथ वेतन बढ़ोत्तरी का भी लाभ मिलेगा। प्रदेश में ऐसे कर्मचारियों की संख्या 2 लाख से ज्यादा है।

बताया जा रहा है कि प्रमोशन का ड्राफ्ट तैयार करने को लेकर लगातार मंथन चल रहा है। मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता में गठित कमेटी ड्राफ्ट को अंतिम रूप देगी। हालांकि अधिकारियों द्वारा 4 बार प्रमोशन से जुड़ा ड्राफ्ट भेजा जा चुका है, लेकिन कमेटी इसे वापस कर चुकी है। कमेटी ने एक बार फिर इसमें कई संशोधन के साथ प्रस्तुत करने के लिए कहा है। बताया जा रहा है कि इस साल कर्मचारियों को सिर्फ एक ही प्रमोशन का लाभ दिया जाएगा, क्योंकि साल में एक ही डीपीसी होती है और 2016 के बाद से भी कर्मचारी क्रमोन्नति और इंक्रीमेंट का लाभ ले चुके है। जल्द ही प्रमोशन के ड्राफ्ट को कमेटी मंजूरी देकर विधि विभाग को भेजगी। विधि विभाग की हरी झंडी के बाद इसे कैबिनेट में भेजा जाएगा।

अजाक्स-सपाक्स अपनी मांगों पर अड़े

उधर सरकारी कर्मचारियों के प्रमोशन को लेकर अजाक्स और सपाक्स अपनी अलग-अलग मांगों को लेकर अड़े हुए हैं। अजाक्स और उससे जुड़े अधिकारी कर्मचारी जहां 2002 के पदोन्नति के नियमों के तहत पदोन्नति का लाभ दिए जाने की मांग कर रहे हैं। मंत्रालय अजाक्स शाखा के अध्यक्ष घनश्याम दास भकोरिया का कहना है कि हमने शासन के सामने अपना पक्ष रख दिया है। इसमें कहा गया है कि 2002 के नियमों को आधार बनाकर ही पदोन्नति का लाभ दिया जाना चाहिए, या फिर संवैधानिक नियमों के तहत सुप्रीम कोर्ट सीनियर एडवोकेट गोरकेला द्वारा बनाए गए नियमों को पदोन्नति का आधार बनाया जाए। उधर सपाक्स के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. केएस तोमर के मुताबिक एम नागराज मामले से जुड़े फैसले में 2002 के नियम को खारिज किया जा चुका है, इसलिए इस नियम के तहत पूर्व में दी गई पदोन्नति को सरकार रिवर्ट करे और क्रीमीलेयर व्यवस्था को लागू किया जाए।

कांग्रेस नेत्रियों के पास आए फेक कॉल

इंदौर। मध्य प्रदेश कांग्रेस के नेताओं और महिला नेत्रियों को अभद्र कॉल्स आए। एआईसीसी का नाम बताकर पद का प्रलोभन दिया गया। इसके साथ ही अभद्र भाषा में बातचीत की गई। तीन से चार महिला नेत्रियों ने इसकी शिकायत पार्टी से की। जिसके बाद एमपी कांग्रेस ने अलर्ट जारी किया है। मंगलवार को कांग्रेस नेत्रियों को एआईसीसी के नाम से फेक कॉल आए। जिसमें महिला नेताओं को पद और प्रलोभन दिया गया। साथ ही अभद्र भाषा में बातचीत भी गई है। तीन-चार महिला नेत्रियों ने इसकी शिकायत प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी और पीसीसी चीफ जीतू पटवारी से की।

इसके बाद पार्टी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए अलर्ट जारी किया। एमपी कांग्रेस ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर लिखा-महत्वपूर्ण सूचना-हमारी जानकारी में आया है कि कतिपय असामाजिक तत्वों द्वारा एआईसीसी के नाम से 9352597073 व 9116359721 इस प्रकार के कुछ नंबरों से मध्य प्रदेश के कांग्रेस नेताओं व महिला कार्यकर्ताओं को अभद्र भाषा में कॉल किए जा रहे हैं। आग्रह है कि सभी साथी ऐसे नंबरों से कॉल आने पर तुरंत पुलिस में शिकायत करें। प्रदेश कांग्रेस द्वारा भी इस संबंध में पुलिस महानिदेशक को लिखित शिकायत दी जा रही है।

दोहरी छात्रवृत्ति घोटाले का होगा खात्मा

छात्रों से वसूली कर कॉलेजों को दी जाएगी क्लीनचीट

इंदौर। प्रदेश में 12-13 साल पहले ओबीसी छात्रों की छात्रवृत्ति में हुए घोटाले में खात्मा लगाने की तैयारी की जा रही है। गौरतलब है कि दो जिलों भोपाल और रीवा के 75 महाविद्यालयों में प्रवेशरत ओबीसी वर्ग के 278 विद्यार्थियों की दोहरी छात्रवृत्ति लिए जाने के मामले सामने आए थे। रीवा के छात्रों से वसूली कर कॉलेजों को पहले ही क्लीनचिट दे दी गई है। अब भोपाल के छात्रों से राशि जमा कराकर कॉलेजों को क्लीनचिट देने की तैयारी की जा रही है।

गौरतलब है कि वर्ष 2011-12 एवं 2012-13 में मप्र के दो जिलों भोपाल और रीवा के 75 महाविद्यालयों में प्रवेशरत ओबीसी वर्ग के 278 विद्यार्थियों की दोहरी छात्रवृत्ति लिए जाने के मामले सामने आए थे। रीवा जिले में सभी 278 छात्र-छात्राओं से अतिरिक्त छात्रवृत्ति की सम्पूर्ण राशि चालान के माध्यम से जमा कराकर क्लीनचिट दी गई है। जबकि भोपाल के एक मात्र कॉलेज के 10 छात्रों का जो प्रकरण लोकायुक्त में विचाराधीन था, उसमें भी खात्मे की तैयारी हो चुकी है।

भोपाल मामले में लोकायुक्त में प्रकरण

मप्र पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2011-12 एवं 12-13 में भोपाल और रीवा में दोहरी छात्रवृत्ति की गड़बड़ी पकड़ी गई थी।

जांच में भोपाल के एक मात्र एलबीएस पैरामेडिकल कॉलेज के 10 छात्रों का कुल 700 रुपये प्रति छात्र के मान से 7000 रुपये का दोहरीकरण हुआ था। जिस पर लोकायुक्त ने 10 अलग-अलग प्रकरण पंजीबद्ध किए थे।

चूंकि इन सभी मामलों में दोषी छात्रों ने चालान के माध्यम से राशि शासन के कोष में जमा करा दी है, इसलिए सभी 10 प्रकरणों में संगठन स्तर पर इनके खात्मे का निर्णय लेकर न्यायालय में खात्मा प्रस्तुत किए गए हैं, जो अभी न्यायालय में विचाराधीन हैं। दोहरी छात्रवृत्ति घोटाले की जांच के बीच विभाग ने वित्तीय वर्ष 2021-22 से वित्तीय वर्ष 2024-25 के दिसम्बर माह तक पिछड़ा वर्ग के 11.31 लाख से ज्यादा छात्र-छात्राओं को 1566.42 करोड़ से ज्यादा छात्रवृत्ति बांटी।

वित्तीय वर्ष 2021-22 में 298083 विद्यार्थियों को 362 करोड़ 50 लाख 09 हजार 287 रुपये, वित्तीय वर्ष 2022-23 में 474078 विद्यार्थियों को 629 करोड़, 57 लाख, 03 हजार 206 रुपये, वित्तीय वर्ष 2023-24 में 356835 छात्र-छात्राओं को 566 करोड़, 41 लाख, 77 हजार 124 रुपये एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 में दिसम्बर माह तक 2616 विद्यार्थियों को कुल 7 करोड़, 94 लाख 681 रुपये छात्रवृति का वितरण किया गया। हालांकि 31 मार्च तक छात्र संख्या और राशि के आंकड़े नहीं मिल सके।

रीवा के कॉलेजों को मिल चुकी है क्लीनचीट

मप्र पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार 2011 से 2013 के बीच दोहरी छात्रवृत्ति के मामले में रीवा जिले के तत्कालीन कलेक्टर के आदेश पर 13 जुलाई 2016 को समिति गठित कर इसकी जांच कराई गई थी। जांच में समिति ने 65 शिक्षण संस्थाओं के 268 विद्यार्थियों को दोहरी छात्रवृत्ति का दोषी पाया था।

दोषी पाए गए विद्यार्थियों से छात्रवृत्ति राशि 44 लाख 51 हजार 121 रुपये चालान के माध्यम से शासन के खाते में जमा कराए गए हैं। इस तरह दोषी विद्यार्थियों से राशि जमा कराकर विभाग ने सभी आरोपी महाविद्यालयों को भी क्लीनचिट दे दी है। जबकि प्रकरण में जांच एजेंसी एवं न्यायालय में विचाराधीन होने का कारण बताकर अब तक किसी भी अधिकारी या कर्मचारी के विरुद्ध भी कोई कार्रवाई नहीं की गई।

कांग्रेस के आधे जिला अध्यक्षों की कुर्सी खतरे में

खाली जिलों में एक सप्ताह में होगी घोषणा

इंदौर। मप्र में कांग्रेस बड़े बदलाव की तैयारी में जुटी हुई है। पार्टी के सूत्रों के अनुसार जिलाध्यक्षों का रिपोर्ट कार्ड खंगला जा रहा है। रिपोर्ट कार्ड ही उनका सियासी भविष्य तय करेगा। प्रारंभिक रिपोर्ट के मुताबिक 50 फीसदी जिलों में बदलाव होना तय है। वहीं नए की तलाश भी शुरू हो गई है। लेकिन कांग्रेस का पहला फोकस उन जिलों पर है जहां जिलाध्यक्ष की कुर्सी खाली है।

बताया जा रहा है कि पार्टी इस महीने उन जिलों में अध्यक्षों की नियुक्ति कर देगी, जहां अध्यक्ष नहीं हैं। बता दें कि मप्र में कांग्रेस के अभी 80 संगठनात्मक जिला और 800 संगठनात्मक ब्लॉक अध्यक्ष के पद हैं। इनमें से 50 फीसदी जिला अध्यक्षों को बदलने की तैयारी है। कांग्रेस ने जिलाध्यक्ष के लिए 60 वर्ष और ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष के लिए 45 साल की उम्र लगभग तय कर दी है। मप्र कांग्रेस कमेटी द्वारा करीब दो महीने से जिला और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष की नए सिरे से नियुक्ति करने की कवायद की जा रही है। माना जा रहा था कि लगभग 50 फीसदी जिलों में कांग्रेस अपने जिलाध्यक्ष बदल देगी। लेकिन अब जानकारी निकलकर सामने आ रही है कि अभी केवल पांच जिलों में ही अध्यक्ष की नियुक्ति की जाएगी। बाकी जिलों की घोषणा जून माह के बाद होगी। जिन पांच जिलों में घोषणा होगी, उनमें खंडवा के शहर और ग्रामीण, रतलाम ग्रामीण, कटनी और रायसेन जिला शामिल है। इन पांच जिले में मई माह में अध्यक्ष की नियुक्ति करने की तैयारी है। पांच ही जिलों के लिए तीन-तीन नाम की पैनल बना ली गई है। संगठन से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि बाकी जिलों की घोषणा जून के बाद होगी।

फिलहाल पार्टी का फोकस 40 दिनी अभियान पर है, जिसके तहत मप्र की प्रत्येक विधानसभा में घर-घर संपर्क अभियान चलाया जा रहा है।

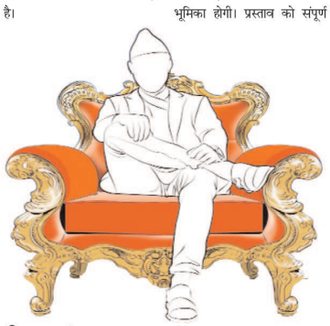

जिलाध्यक्षों का बनाया जाएगा पावरफुल

दरअसल, अहमदावाद अधिवेशन में जिलाध्यक्षों के मामले में अहम प्रस्ताव पारित हुआ था। इसके तहत उन्हें पावरफुल बनाया जाना है। यानी जिला स्तर के फैसले इनकी मर्जी से होंगे। चुनाव में उम्मीदवार तय करने में भी भूमिका होगी। प्रस्ताव को संपूर्ण नियमावली के साथ संगठनात्मक ढांचा मजबूत बनाने सभी प्रतिनिधियों के समक्ष रखा जाएगा। ऐसे में जिला स्तर पर फेरबदल तय है। जिलाध्यक्षों से लेकर ब्लॉकों में नए पदाधिकारी नियुक्त होंगे। ग्रामीण जिलाध्यक्ष भी बदलेंगे। जिले के संगठनात्मक स्तर पर कई बदलाव होंगे।

ऐसे कार्यकर्ता जो लंबे समय से पार्टी के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं, उन्हें नई और अहम जिमेदारियां दी जाएंगी। युवा, उर्जावान लोगों को अवसर दिया जाएगा। शहर व जिले के लगभग सभी ब्लॉक में नए अध्यक्ष नियुक्त करने की तैयारी है। अप्रेल अंत या मई की शुरुआत में परिवर्तन हो सकता है। इसी तरह कांग्रेस अब राज्य सरकार पर और आक्रामक होगी। इसके लिए कार्यक्रम तैयार हो रहे हैं।

दिल्ली से नियुक्त होंगे ऑब्जर्वर

कांग्रेस के सूत्र बताते हैं कि गुजरात में जिस तरह जिला अध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया शुरू हुई है, मप्र में भी उसी पैटर्न पर जिला अध्यक्षों के नाम खोजे जाएंगे। मप्र के सभी 55 जिलों में एआईसीसी की ओर से हर जिले के लिए एक ऑब्जर्वर नियुक्त किया जा सकता है। एमपी कांग्रेस की ओर से भी ऑब्जर्वर जिला अध्यक्ष के नाम खोजने में मदद करेंगे। हर जिले में पार्टी अध्यक्ष चुनने के लिए पांच सदस्यों की समिति बनाई जाएगी।

इसमें एक केंद्रीय और चार राज्य स्तरीय पर्यवेक्षक शामिल होंगे। ये समितियां अपने-अपने जिले का दौरा करेंगी और जिलाध्यक्ष के चयन से पहले स्थानीय नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत करेंगी। गुजरात में पूरी प्रक्रिया 45 दिनों में पूरी हो जाएगी।

मप्र कांग्रेस के संगठन प्रभारी संजय कामले ने बताया कि अहमदाबाद में कांग्रेस पार्टी के संगठन में एक बड़ा परिवर्तन आया है। नई व्यवस्था में पार्टी जिला अध्यक्षों के माध्यम से काम करना शुरू करेगी। गुजरात में इसका पायलेट प्रोजेक्ट चल रहा है। बहुत सारे ऑब्जर्वर वहां गए हैं। जिला अध्यक्षों के चयन की एक नई प्रक्रिया सामने आई है। यह प्रक्रिया गुजरात के लिए पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में लागू की गई है। अभी ये स्पष्ट नहीं है कि मप्र में भी इसी प्रक्रिया से अध्यक्ष चुने जाएंगे या नहीं।

ईओडब्ल्यू के शिकंजे में फंसे पीडब्ल्यूडी के ईएनसी

इंदौर। लोक निर्माण विभाग के प्रभारी प्रमुख अभियंता केपीएस राणा और पीआईयू के प्रभारी प्रमुख अभियंता शालिगराम बघेल ईओडब्ल्यू के शिकंजे में फंस गए हैं। एजेंसी ने दोनों अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच शुरू कर दी है। राणा पर आरोप हैं कि उन्होंने एनएचएआई में प्रभारी मुख्य अभियंता रहते ब्लैक लिस्टेड ठेकेदार को 38.39 करोड़ का ठेका दिलवाया, जबकि शालिगराज बघेल पर संयुक्त निविदाएं आमंत्रित करने के आरोप हैं। दोनों मामलों में ईओडब्ल्यू ने जांच शुरू कर दी है।

मामला उजागर होने पर सरकार राणा को प्रमुख अभियंता पद से हटा भी सकती है। बताया गया कि बीना टोल प्लाजा के निर्माण में काम नहीं करने के कारण राणा ने एनएचएआई में प्रभारी सीई रहते राजेंद्र सिंह किलेदार कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड को एक साल के लिए ब्लैक लिस्टेड किया था, लेकिन 13 दिन बाद ही उन्होंने राजेंद्र सिंह किलेदार कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड को 7.50 किलोमीटर आष्टा बायपास का 38.39 करोड़ रुपए का टेंडर दे दिया।

तत्कालीन ईएनसी की आपित्त भी दरकिनार-इस संबंध में लोनिवि के रिटायर्ड ईएनसी नरेंद्र कुमार ने आपत्ति जताते हुए पत्र लिखा था कि चयनित संविदाकार का पंजीयन 13 दिसंबर 2022 को निलंबित किए जाने के बाद इनकी दूसरी फाइनेंशियल बिड 17 दिसंबर 2022 को कैसे खोल दी। लेकिन जब यह मामला सामने आया, तब लोकसभा चुनाव की आचार संहिता प्रभावी थी, उसी दौरान दूसरी बार में ब्लैक लिस्टेड ठेकेदार का टेंडर स्वीकृत कर लिया गया।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं संपादक सुनील वर्मा के लिए 1/4, परदेशीपुरा इन्दौर से प्रकाशित एवं दैनिक भास्कर प्रेस 4/54 प्रेस कॉम्प्लेस एबी रोड इंदौर मध्यप्रदेश इन्दौर से मुद्रित.
कार्पोरेट कार्यालय : 301, अरु प्लाजा एमजी रोड इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com